साप्ताहिक

आरएनआई न. :– जेकेएचआईएन/25/ए0631

# सबका जम्मू कश्मीर

हिन्दी • वर्षः 1 • अंकः 11 • कठुआ, शनिवार 9 अगस्त 2025 • पृष्ठः 16 • मूल्यः 5 रुपए

## भारत किसानों के हितों से समझौता नहीं करेगा, भारी कीमत चुकाने को तैयार : पीएम मोदी

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक सूक्ष्म संदेश देते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत अपने किसानों और डेयरी क्षेत्र के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा और ज़रूरत पड़ने पर वह व्यक्तिगत रूप से बड़ी कीमत चुकाने को तैयार है।

यह बयान ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने के एक दिन बाद आया है, जबकि दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चर्चा कर रहे हैं। यह व्यापार समझौता भारत के कृषि और डेयरी बाजार तक बेहतर पहुँच की अमेरिका की माँग के चलते हुआ है।

वह मक्का, सोयाबीन, सेब, बादाम और इथेनॉल जैसे उत्पादों पर टैरिफ कम करने के साथ–साथ अमेरिकी डेयरी उत्पादों की पहुँच बढ़ाना चाहता है। हालाँकि, नई दिल्ली इन माँगों का विरोध कर रही है क्योंकि इनका सीधा असर किसानों पर पड़ेगा।

जन्मशती के अवसर पर तीन दिवसीय वैश्विक सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, ष्हमारे लिए अपने किसानों का हित सर्वोच प्रथम है।

भारत अपने किसान, पशु पालकों और मछुआरे भाई–बहनों के हितों के साथ कभी भी समझौता नहीं करेगा। (हमारे लिए, किसानों के हित हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। भारत अपने किसानों, डेयरी किसानों और मछुआरों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा)।ष दिवंगत प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए वह व्यक्तिगत रूप से बड़ी कीमत चुकाने को तैयार हैं। ष्मैं जानता हूं कि व्यक्तित्व रूप से मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं।ष (मुझे पता है कि मुझे व्यक्तिगत रूप से इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं)। उन्होंने आगे कहा, मेरे देश के मछुआरे

■ शेष पेज 2...

सभी पाठकों को सबका जम्मू कश्मीर की ओर से रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

## रूसी राष्ट्रपति की भारत यात्रा की तारीखों पर काम चल रहा है, एनएसए ने कोई विशेष तारीख नहीं बताई : सूत्र

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, जो मॉस्को में हैं, ने कहा है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा की तारीखों पर काम किया जा रहा है, सूत्रों ने गुरुवार को कहा, यह देखते हुए कि एनएसए ने अपने कार्यक्रमों में कोई विशिष्ट तारीख या समय का संकेत नहीं दिया है।

सूत्रों ने कहा कि मीडिया के एक हिस्से में अगस्त के अंत का समय बताया जा रहा है जो गलत है।

स्पुतनिक न्यूज द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो के अनुसार, डोभाल ने अपनी टिप्पणी में कहा

■ शेष पेज 2...

## ईडी ने 23,000 करोड़ रुपये की धनशोधन की गई रकम बरामद की, इसे पीड़ितों में बांटा : सॉलिसिटर जनरल ने सुप्रीम कोर्ट को बताया

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि प्रवर्तन निदेशालय ने लगभग 23,000 करोड़ रुपये की धनशोधन की गई राशि बरामद की है और इसे वित्तीय अपराधों के पीड़ितों में वितरित किया है।

शीर्ष विधि अधिकारी ने यह बयान मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की एक विशेष पीठ के समक्ष शीर्ष अदालत के 2 मई के विवादास्पद फैसले की समीक्षा की मांग वाली याचिकाओं पर खुली अदालत में सुनवाई के दौरान दिया।

शीर्ष अदालत ने 2 मई को भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड (बीपीएसएल) के परिसमापन का आदेश दिया था, जबकि बीमार फर्म के लिए जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड की समाधान योजना को खारिज कर दिया था।

■ शेष पेज 2...

## चेनाब, अंजी पुलों के निर्माण के दौरान हिमालयी पारिस्थितिकी को न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित किया गया : लोकसभा को बताया गया

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : हिमालयी पारिस्थितिकी में न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित करने के लिए ढलान स्थिरीकरण पर उचित ध्यान दिया गया और चिनाब और अंजी ब्रिज सहित उधमपुर–श्रीनगर–बारामूला रेल लिंक के कार्यान्वयन के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थानों को शामिल किया गया, बुधवार को लोकसभा को सूचित किया गया।

यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार ने नाजुक हिमालयी क्षेत्रों में चिनाब और अंजी खड्ड पुलों का कोई पर्यावरणीय प्रभाव आकलन किया है, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने परियोजना के पर्यावरणीय प्रभाव आकलन पर एक विस्तृत प्रतिक्रिया प्रदान की। वैष्णव ने कहा कि 272 किलोमीटर की कुल लंबाई

वाली उधमपुर–श्रीनगर–बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना हाल ही में चालू की गई है और यह जम्मू और कश्मीर के उधमपुर, रियासी, रामबन, श्रीनगर, अनंतनाग, पुलवामा, बडगाम और बारामूला जिलों को कवर करती है। मंत्री ने कहा कि इस परियोजना में, भारतीय रेलवे ने जम्मू और कश्मीर के रियासी जिले में चिनाब नदी पर

दशेष पेज 2...

## उत्तरकाशी में अचानक आई बाढ़ में 70 लोगों को बचाया गया, 50 से अधिक लापता : सेना

सबका जम्मू कश्मीर

देहरादून : उत्तरकाशी में अचानक आई बाढ़ से बचाव अभियान गुरुवार को तीसरे दिन में प्रवेश कर गया। सेना ने कहा कि अब तक 70 लोगों को बचा लिया गया है और 50 से अधिक लोग लापता हैं।

अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार दोपहर पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्र में आई आपदा में कम से कम चार लोग मारे गए हैं। बचावकर्मियों ने बुधवार को दो शव बरामद किए, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि ये पिछले दिन हुई चार मौतों में शामिल हैं या नहीं।

जिला प्रशासन ने कहा कि विभिन्न स्थानों पर फंसे 65 लोगों को यहां से 432 किलोमीटर दूर मतली शहर पहुंचाया गया। अधिकारियों ने कहा कि

मलबे में फंसे लोगों की तलाश में तेजी लाने के लिए सबसे अधिक प्रभावित धराली गांव में उन्नत उपकरणों को हवाई मार्ग से पहुंचाने के प्रयास भी तेज कर दिए गए हैं।

भारतीय सेना ने अन्य अधिकारियों के साथ निकट समन्वय में, धराली और पास के हरसिल में मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) अभियान तेज कर दिया है। कई भूस्खलन

■ शेष पेज 2...

## जम्मू–कश्मीर के कुलगाम में आतंकवाद विरोधी अभियान के बीच स्थानीय लोगों ने 7 दिनों से नहीं सोए हैं, स्थानांतरण की मांग की

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : कुलगाम में जारी आतंकवाद विरोधी अभियान के बीच, जो गुरुवार को सातवें दिन में प्रवेश कर गया, अखल गांव के स्थानीय लोगों ने गंभीर कठिनाइयों का हवाला देते हुए क्षेत्र से स्थानांतरण की मांग की है।

निवासियों ने दावा किया कि लगातार गोलीबारी के कारण वे सो नहीं पा रहे हैं और अब उनके पास भोजन भी खत्म हो रहा है।

मुठभेड़ स्थल के पास रहने वाले एक ग्रामीण मुबारक खांडे ने कहा, ष्पिछले सात दिनों से हम गंभीर मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। रात में गोलीबारी और बमबारी होती रहती

■ शेष पेज 2...

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

शेष पेज 1 से.....

## भारत किसानों के...

के लिए, मेरे देश के पशु पालकों के लिए आज भारत तैयार है।ß

मोदी ने इस महान वैज्ञानिक के सम्मान में एक स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया।

अपने संबोधन के दौरान, प्रधानमंत्री ने कृषि और संबद्ध क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार द्वारा लागू की गई विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला।

उन्होंने जलवायु परिवर्तन की बढ़ती चुनौतियों के बीच खाद्य उत्पादन को बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

मोदी ने गर्मी प्रतिरोधी सहित फसलों की अधिक जलवायु–प्रतिरोधी किस्में विकसित करने का आह्वान किया।

## चेनाब, अंजी पुलों...

दुनिया का सबसे ऊंचा रेल पुल बनाया है। ''प्रतिष्ठित चिनाब पुल 1,315 मीटर लंबा है, जिसका आर्च स्पान 467 मीटर है और नदी तल से इसकी ऊंचाई 359 मीटर है। इस परियोजना में अंजी खड्ड पर भारतीय रेलवे का पहला केबल–स्टेड ब्रिज बनाया गया है। इसका ब्रिज डेक नदी तल से 331 मीटर ऊपर है और इसके मुख्य तोरण की ऊंचाई 193 मीटर है, ''उन्होंने लोकसभा को सूचित किया। इसके सामाजिक महत्व के बारे में बात करते हुए, वैष्णव ने कहा कि यूएसबीआरएल परियोजना ने क्षेत्र में पर्याप्त सामाजिक–आर्थिक योगदान दिया है, जिसमें रोजगार सृजन इसके प्रभाव का एक महत्वपूर्ण पहलू है क्योंकि परियोजना ने 5 करोड़ से अधिक मानव–दिवस रोजगार उत्पन्न किए हैं। हिमालयी पारिस्थितिकी में न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित करने के लिए, ढलान स्थिरीकरण पर उचित ध्यान दिया गया है और इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों को शामिल किया गया है। प्राकृतिक भूभागों के कटाव और क्षति को रोकने के लिए नीरी के दिशानिर्देशों और विस्तृत डिज़ाइन सलाहकारों के सुझावों के अनुसार ढलान स्थिरीकरण की व्यापक योजनाएँ अपनाई गई हैं,ß वैष्णव ने कहा।

उन्होंने आगे कहा, षचिनाब पुल पर ढलान स्थिरता का डिज़ाइन भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर और आईआईटी/दिल्ली द्वारा तैयार किया गया था।ß रेल मंत्री ने कहा,

षइस तरह के कार्यों का अनुभव रखने वाली अन्य वैश्विक फर्मों को भी चिनाब पुल के ढलान स्थिरता की स्वतंत्र जाँच के लिए नियुक्त किया गया था। अंजी पुल पर ढलान स्थिरता का डिज़ाइन और प्रूफ़ जाँच भी अनुभवी वैश्विक फर्मों द्वारा की गई थी।ß

परियोजना के पर्यावरणीय उपायों को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, षइसके अलावा, चिनाब और अंजी खड्ड पुलों सहित कटरा–काजीगुंड नई रेल लाइन के निर्माण से होने वाले पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन भी राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (नीरी), नागपुर के माध्यम से किया गया है।ß

उन्होंने कहा, षनीरी द्वारा तैयार पर्यावरण प्रबंधन योजना (ईएमपी) के आधार पर व्यापक सुरक्षा उपाय और शमन उपाय लागू किए गए हैं।ß उन्होंने आगे कहा,

षसुरंग से निकली सामग्री के प्रबंधन के लिए प्राकृतिक नालों में पानी छोड़ने से पहले सुरंग के निकास द्वारों पर अवसादन टैंक बनाए गए हैं।ß वैष्णव ने कहा, षजिन गाँवों में रिवर्स पंपिंग के कारण प्राकृतिक जल स्रोत बाधित हो गए थे, वहाँ वैकल्पिक जल स्रोत उपलब्ध कराए गए।

ß उन्होंने आगे कहा, षसतही जल के सुचारू प्रवाह को सुनिश्चित करने और मलबा यार्डों में कटाव को रोकने के लिए आवश्यक स्थानों पर उचित नालियों और सीढ़ीदार ढलानों का निर्माण किया गया।ß

रेल मंत्री के अनुसार, सुरंग निर्माण के दौरान कंपन और पर्यावरणीय क्षति को कम करने के लिए नियंत्रित विस्फोट की उन्नत तकनीकों को अपनाया गया।

उन्होंने कहा, षकटरा–बनिहाल खंड की सभी सुरंगों में परिचालन चरण के दौरान भी वायु गुणवत्ता की निगरानी के लिए सेंसर लगाए गए हैं।ß उन्होंने आगे कहा,

षपूरी रेल परियोजना सुरंगों और खुले हिस्सों में ओवरहेड कंडक्टर प्रणाली का उपयोग करके विद्युतीकृत है। रेल परिवहन सबसे पर्यावरण अनुकूल परिवहन साधन है, जो डीजल कर्षण की तुलना में कार्बन फुटप्रिंट को काफी कम करता है।ß उन्होंने इस बात पर

भी प्रकाश डाला कि जैव विविधता संरक्षण के विशिष्ट उपायों को ईएमपी में रेखांकित किया गया है, समग्र पर्यावरणीय शमन प्रयास स्थानीय पारिस्थितिकी की रक्षा में योगदान करते हैं।

वैष्णव ने कहा, षडंपिंग स्थलों पर वृक्षारोपण गतिविधि के लिए साइट तैयार करने के दिशानिर्देशों में देशी प्रजातियों के पौधे लगाना और पर्यावरण–पुनर्स्थापना के लिए घास लगाना शामिल है।ß

## रूसी राष्ट्रपति की...

कि भारत और रूस के बीच बहुत ही खास रिश्ता है।

उन्होंने कहा, षहमारे बीच एक बहुत ही खास रिश्ता है, लंबा रिश्ता है और हम अपनी रणनीतिक साझेदारी को बहुत महत्व देते हैं। हमारे बीच उच्च–स्तरीय बैठकें हुई हैं और इनका बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा, हम रूस के राष्ट्रपति, महामहिम पुतिन की भारत यात्रा के बारे में जानकर बहुत उत्साहित और प्रसन्न हैं। मुझे लगता है कि अब तारीखें लगभग तय हो चुकी हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल जुलाई में रूस का दौरा किया था और उन्होंने तथा राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने विश्वास, आपसी समझ और रणनीतिक अभिसरण पर आधारित इस समय–परीक्षित संबंध की विशेष प्रकृति की अत्यधिक सराहना की थी।

दोनों नेताओं के बीच बैठक के बाद जारी एक संयुक्त बयान के अनुसार, उन्होंने बहुआयामी, पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत–रूस संबंधों का सकारात्मक मूल्यांकन किया, जो राजनीतिक और रणनीतिक, सैन्य और सुरक्षा, व्यापार और निवेश, ऊर्जा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, परमाणु, अंतरिक्ष, सांस्कृतिक, शिक्षा और मानवीय सहयोग सहित सहयोग के सभी संभावित क्षेत्रों में फैले हुए हैं। इस बात पर संतोष व्यक्त किया गया कि दोनों पक्ष पारंपरिक क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करते हुए सहयोग के नए रास्ते सक्रिय रूप से तलाश रहे हैं। आधुनिकीकरण

और औद्योगिक सहयोग पर भारत–रूस कार्य समूह का 11वां सत्र बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग पर भारत–रूस अंतर–सरकारी आयोग के ढांचे के तहत आयोजित किया गया।

## उत्तरकाशी में...

और सड़क टूटने के कारण यह क्षेत्र अभी भी कटा हुआ है।

सेना ने यहां जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा कि अब तक 70 नागरिकों को बचा लिया गया है और 50 से अधिक लापता हैं।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि नौ सैन्यकर्मी – एक जूनियर कमीशंड अधिकारी और आठ जवान – भी लापता बताए गए हैं।

नौ सैन्यकर्मियों और तीन नागरिकों को हेलीकॉप्टर से देहरादून पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल तीन नागरिकों को एम्स ऋषिकेश और आठ को उत्तरकाशी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बर्तवारी, लिंचीगाड, हरसिल के पास, गंगनानी और धराली सहित कई स्थानों पर सड़क संपर्क गंभीर रूप से बाधित है। सेना ने कहा कि नागरिक और सैन्य दल फंसे हुए लोगों को बचाने, राहत पहुंचाने और संपर्क बहाल करने

के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। हरसिल और नेलोंग में एक सैन्य हेलीपैड चालू है और सड़क मार्ग से गंगोत्री से जुड़ा है, जिससे पर्यटकों की सुविधाजनक आवाजाही हो रही है। धराली में एक नागरिक हेलीपैड भूस्खलन के कारण बंद है

। सेना के अनुसार, इंजीनियरों, चिकित्सा दलों और बचाव विशेषज्ञों सहित 225 से अधिक सैनिक जमीन पर हैं देहरादून के जॉलीग्रांट हवाई अड्डे पर चिनूक और एमआई–17 हेलीकॉप्टर इंतज़ार कर रहे हैं और अगर मौसम में सुधार होता है तो गुरुवार से नागरिकों को निकालने का काम शुरू होने की संभावना है। राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के समन्वय में, सहस्त्रधारा से पाँच नागरिक हेलीकॉप्टर मटली, भटवारी और हर्षिल के बीच बचाव कार्यों के लिए काम कर रहे हैं। मातली हेलीपैड पर एक तदर्थ विमानन बेस स्थापित किया जा रहा है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि गंगोत्री में फंसे लगभग 180–200 पर्यटकों को सेना और भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) द्वारा भोजन, आश्रय और चिकित्सा सहायता प्रदान की जा रही है।

अगले 24–48 घंटों के लिए एक कार्ययोजना तैयार की गई है। इसमें चिनूक द्वारा अर्धसैनिक बलों और चिकित्सा दलों को हरसिल और एमआई–17 हेलीकॉप्टरों द्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के कर्मियों और चिकित्सकों को नेलोंग पहुंचाना, उत्तरकाशी और तेक्ला से आगे सड़क खोलना और वापसी उड़ानों में नेलोंग हेलीपैड से पर्यटकों को निकालना शामिल है।

इससे पहले दिन में, जिला प्रशासन ने कहा कि उत्तरकाशी जिले के विभिन्न स्थानों पर फंसे पर्यटकों सहित 65 लोगों को हेलीकॉप्टर द्वारा मातली पहुंचाया गया है।

अधिकारियों ने कहा कि उन्हें संबंधित गंतव्यों तक भेजने के लिए बसों की व्यवस्था की गई है।

बचाव कार्यों की निगरानी के लिए उत्तरकाशी में डेरा डाले हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बसों में बचाए गए कुछ लोगों से बात. चीत की।

बचाए गए लोगों में देश के विभिन्न हिस्सों से आए तीर्थयात्री शामिल हैं जो मंगलवार की अचानक आई बाढ़ के बाद गंगोत्री के रास्ते में फँस गए थे। उन्होंने सेना, राज्य सरकार और स्थानीय लोगों को आश्रय प्रदान करने और हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया।

एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, आईटीबीपी, पुलिस और अन्य संबंधित एजेंसियां राहत एवं बचाव कार्यों में लगी हुई हैं।

एसडीआरएफ के आईजी अरुण मोहन जोशी ने कहा, षआज हमारी प्राथमिकता उन्नत उपकरणों को घटनास्थल पर हवाई मार्ग से पहुँचाना है। बुधवार को उन्नत उपकरणों के साथ आने वाली हमारी टीमें अवरुद्ध सड़कों के कारण रुकी रहीं।ß उन्होंने कहा कि मलबे के 50 से 60 फुट ऊँचे ढेर हैं और लापता लोग उनके नीचे दबे हो सकते हैं।

भूस्खलन के कारण धराली जाने वाली मुख्य सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं, जहाँ मंगलवार को दर्जनों लोग फँस गए थे और कई घर और कारें उफनते पानी में बह गईं।

उन्नत उपकरण बचावकर्मियों को लापता लोगों की तलाश में भारी मात्रा में मलबे को निकालने में मदद करेंगे।

जोशी ने बताया कि एक और प्राथमिकता अवरुद्ध सड़कों के कारण विभिन्न स्थानों पर फंसे तीर्थयात्रियों को बचाना है। उनकी संख्या 300–400 हो सकती है।

स्थानीय लोगों और पर्यटकों के अलावा, लापता लोगों में मज़दूर भी शामिल हो सकते हैं क्योंकि अचानक आई बाढ़ वाली जगह पर कई होटलों का निर्माण कार्य चल रहा था।

धराली, गंगोत्री के रास्ते में मुख्य पड़ाव है, जहाँ से गंगा का उद्गम होता है, और यहाँ कई होटल और होमस्टे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि लापता लोगों का पता लगाने के लिए ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार और खोजी कुत्तों का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

## जम्मू–कश्मीर के कुलगाम...

है। हमारे घरों में अब राशन की कमी हो गई है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की महिलाएं और बच्चे भयभीत हैं। उन्होंने दावा किया कि लगातार गोलीबारी और विस्फोटों के कारण उनमें श्मनोवैज्ञानिक समस्याएंश उत्पन्न हो गई हैं।

सरकार से उनके पुनर्वास की व्यवस्था करने की अपील करते हुए, खांडे ने कहा, षहम सात दिनों से सोए नहीं हैं। बच्चे जाग रहे हैं और रो रहे हैं। दवाइयों और राशन की कमी है। उन्होंने आगे बताया कि इलाके में रहने वाली खानाबदोश आबादी के पास भी अनाज खत्म हो गया है। खांडे ने कहा, गुज्जर लोगों ने हमें बुलाया था... उनके पास राशन नहीं है। हालाँकि, स्थानीय लोग गाँव की देखभाल के लिए नंबरदार और चौकीदार जैसे गाँव के अधिकारियों के आभारी थे। खांडे ने बताया, षनंबरदार अपने घर से लोगों को राशन दे रहा था, लेकिन अब उसे भी राशन की कमी का सामना करना पड़ रहा है।ß

गांव के अधिकारी शेख महबूब ने सरकार से गांव में राशन की कमी दूर करने और पेयजल उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

महबूब ने कहा, षहम पानी और दवाओं की कमी का सामना कर रहे हैं। हम जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी (पीएचई) विभाग से अनुरोध करते हैं कि वह हमारे लिए पानी की व्यवस्था करे। सुरक्षा बल अपना काम कर रहे हैं, लेकिन जारी गोलीबारी बुजुर्गों और बच्चों के लिए परेशानी का सबब बन रही है।ß

उन्होंने स्थानीय लोगों के लिए एम्बुलेंस की व्यवस्था करने के लिए उपायुक्त और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को धन्यवाद दिया।

एक अन्य स्थानीय निवासी शीराजा अख्तर ने कुलगाम के डिप्टी कमिश्नर से ग्रामीणों की मदद करने की अपील की।

अख्तर ने कहा, षहम डिप्टी कमिश्नर से अपील करते हैं। हम गरीब हैं और अभावों से जूझ रहे हैं। कृपया हमारी मदद करें क्योंकि हम कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं। बहुत से लोग जा चुके हैं और कुछ घर खाली हैं। कृपया हमें यहाँ से दूसरी जगह बसाएँ।ß

क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद 1 अगस्त को अकाल क्षेत्र के जंगलों में आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू किया गया था।

अब तक दो आतंकवादी मारे गए हैं, जबकि कई सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं। सुरक्षा बल जंगल में छिपे आतंकवादियों का पता लगाने के लिए ड्रोन और हेलीकॉप्टर सहित तकनीकी निगरानी उपकरणों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

यह इस साल कश्मीर घाटी में अब तक का सबसे लंबा आतंकवाद विरोधी अभियान है।

## ईडी ने 23,000 करोड़...

सीजेआई के नेतृत्व वाली पीठ ने 31 जुलाई को फैसले को वापस ले लिया और उच्च हिस्सेदारी वाले मामले में समीक्षा याचिकाओं पर नए सिरे से सुनवाई करने का फैसला किया।

जवाब में, सॉलिसिटर जनरल ने कहा, षमैं एक तथ्य बताना चाहता हूँ, जो किसी भी अदालत में कभी नहीं कहा गया, और वह यह है कि. .. ईडी ने 23,000 करोड़ रुपये (धोखाधड़ी का पैसा) बरामद किया है और पीड़ितों को दिया है। विधि अधिकारी ने कहा कि बरामद धन सरकारी खजाने में नहीं रहता और वित्तीय अपराधों के पीड़ितों के पास जाता है। मुख्य न्यायाधीश ने पूछा, षसज़ा की दर क्या है?

मेहता ने कहा कि दंडात्मक अपराधों में सज़ा की दर भी बहुत कम है, और उन्होंने देश में आपराधिक न्याय प्रणाली की खामियों को इसका प्रमुख कारण बताया।

जिस पर, मुख्य न्यायाधीश ने कहा, षभले ही उन्हें दोषी न ठहराया गया हो, आप वर्षों से लगभग बिना किसी मुकदमे के उन्हें सज़ा सुनाने में सफल रहे हैं।ß

विधि अधिकारी ने कहा, षकुछ मामलों में जहाँ राजनेताओं के यहाँ छापे पड़े, जहाँ नकदी मिली, वहाँ भारी मात्रा में नकदी के कारण हमारी (नकदी गिनने वाली) मशीनों ने काम करना बंद कर दिया... हमें नई मशीनें लानी पड़ीं।

# मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अहमदाबाद में यात्रा एवं पर्यटन मेले का उद्घाटन किया

सबका जम्मू कश्मीर

गांधीनगर (गुजरात)रू जम्मू एवं कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज देश भर के पर्यटकों को जम्मू एवं कश्मीर की अद्वितीय सुंदरता, समृद्ध संस्कृति और गर्मजोशी भरे आतिथ्य का आनंद लेने के लिए आमंत्रित किया।

वह गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर सम्मेलन एवं प्रदर्शनी केन्द्र में यात्रा एवं पर्यटन मेले (टीटीएफ) के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे।

जम्मू–कश्मीर की अपार पर्यटन संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि यह क्षेत्र साल भर पर्यटकों को विविध अनुभव प्रदान करता रहता है। उन्होंने गुजरात और जम्मू–कश्मीर के बीच बढ़ते पर्यटन आदान–प्रदान पर ज़ोर दिया और जम्मू–कश्मीर को एक जीवंत, सभी मौसमों में घूमने लायक पर्यटन स्थल बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

मुख्यमंत्री के साथ उनके सलाहकार नासिर असलम वानी, पहलगाम विधायक अल्ताफ अहमद वानी और गुलमर्ग विधायक फारूक अहमद शाह भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम में गुजरात सरकार के पर्यटन मंत्री मुलुभाई बेरा भी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम में जम्मू–कश्मीर सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे, जिनमें मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता और जम्मू–कश्मीर पर्यटन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. आशीष चंद्र वर्मा शामिल थे। गुजरात सरकार के अधिकारी, गुजरात सरकार के पर्यटन सचिव राजेंद्र कुमार, पर्यटन आयुक्त एवं गुजरात पर्यटन निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक प्रभाव जोशी भी उपस्थित थे।

जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री ने यात्रा एवं पर्यटन उद्योग के प्रदर्शकों के साथ बातचीत की। उन्होंने प्रदर्शनी हॉल का दौरा किया और प्रतिनिधियों और अपनी पेशकशों का प्रदर्शन कर रहे व्यवसायों से बातचीत की।

यात्रा एवं पर्यटन मेले (टीटीएफ) के लिए गुजरात दौरे के दौरान, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कल गांधीनगर में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से भी मुलाकात की। इस मुलाकात में अंतर–राज्यीय सहयोग को मज़बूत करने, पर्यटन को बढ़ावा देने और समावेशी विकास के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान–प्रदान पर चर्चा हुई।

गुजरात के सबसे बड़े ट्रैवल ट्रेड शो, ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर (टीटीएफ), अहमदाबाद में

# निगली घाट सोपोर में पार्टी बैठक आयोजित, इरफान अहमद लामि को बनाया गया उपाध्यक्ष

सबका जम्मू कश्मीर

**निगली घाट, तरजू सोपोर : संगठन को मजबूत करने और जनता की समस्याएं सुनने के उद्देश्य से निगली घाट, तरजू सोपोर में एक पार्टी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए और उन्होंने अपने क्षेत्र से जुड़ी समस्याएं पार्टी नेताओं के सामने रखीं।**

**नेताओं ने लोगों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द किया जाएगा और उन्हें संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा।**

**इस मौके पर इरफान अहमद लामि, पुत्र मोहम्मद अशरफ लामि को निगली घाट सोपोर का नया उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। यह घोषणा बारामुला जिला अध्यक्ष मुदस्सिर नज़ीर डार, युवा अध्यक्ष जुमैर अहमद मलिक, विधानसभा अध्यक्ष मोहम्मद अशरफ डार और अन्य पार्टी नेताओं की मौजूदगी में की गई।**

**बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और लोगों के साथ बेहतर तालमेल बनाने पर जोर दिया गया।**

# मीरवाइज ने केंद्र से नई दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के बीच दिल की दूरी का मुद्दा उठाने को कहा

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : हुर्रियत कांफ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक ने शुक्रवार को केंद्र से नई दिल्ली और जम्मू–कश्मीर के बीच श्दिल की दूरीश को बातचीत के जरिए सुलझाने का आग्रह किया और कहा कि हिंसा या बल प्रयोग से मुद्दों का समाधान नहीं हो सकता।

यहां ऐतिहासिक जामिया मस्जिद में जुमे की नमाज को संबोधित करते हुए मीरवाइज ने संसद में कश्मीर के सांसदों के एकजुट रुख का भी स्वागत किया। उन्होंने कहा, ष्कुछ दिन पहले, संसद में पहलगाम की जघन्य घटना के बाद भारत–पाकिस्तान युद्ध पर बहस हुई थी। युद्ध, उसके उद्देश्य और सफलता–असफलता के बारे में भारत के विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा अलग–अलग विचार रखे गए थे।

उन्होंने कहा कि बहुत कम सांसदों ने, और अधिकतर विपक्ष ने, युद्ध के मानवीय पहलू, उसकी लागत और जम्मू–कश्मीर से उसके संबंध के बारे में बात की, जो उस समय की मानसिकता और मनोदशा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर के तीन सांसद – मियां अल्ताफ, इंजीनियर राशिद और आगा रुहुल्लाह – ही ऐसे थे जिन्होंने ष्मूल समस्या और वर्तमान बहस के केंद्र में लोगों की गहरी चिंताओं और दुर्दशा को उजागर किया। मीरवाइज ने कहा कि तीनों सांसद ष्जम्मू–कश्मीर के लोगों के अधिकारों के हनन और बेदखली के बारे में जुनून और दर्द के साथ बोल रहे थे और जम्मू–कश्मीर के लोगों की भावनाओं को व्यक्त कर रहे थे, जिसके बारे में हम हमेशा से बात करते रहे हैं। उन्होंने कहा, यह देखकर अच्छा लगा कि इन मामलों पर सभी एकमत हैं। हुर्रियत अध्यक्ष ने कहा कि वह केवल यही उम्मीद कर सकते हैं कि तीनों सांसदों ने जो कहा, उसे नई दिल्ली में सत्ता में बैठे लोगों ने सुना होगा, ष्और अगर वे सचमुच श्दिल की दूरीश को कम करना चाहते हैं, तो उन्हें इस पर ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा, ष्मेरा हमेशा से मानना रहा है कि न तो युद्ध, न हिंसा और न ही बल प्रयोग समस्याओं का समाधान कर सकता है और न ही शांति और समृद्धि ला सकता है, जिसकी भारतीय उपमहाद्वीप के अरबों लोग तलाश करते हैं और इस क्षेत्र के गरीब लोग इसके हकदार हैं।

# वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन ने नौसेना उप प्रमुख का पदभार ग्रहण किया

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : तोपखाना और मिसाइल प्रणाली विशेषज्ञ वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन ने शुक्रवार को नौसेना स्टाफ के 47वें उप प्रमुख के रूप में पदभार ग्रहण किया।

अपना नया कार्यभार संभालने से पहले, वाइस एडमिरल वात्सायन ने विभिन्न महत्वपूर्ण परिचालन, स्टाफ और प्रशिक्षण पदों पर कार्य किया, जिनमें नई दिल्ली स्थित मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ (एचक्यू आईडीएस) और नौसेना मुख्यालय (एनएचक्यू) शामिल हैं।

नौसेना ने एक्स पर पोस्ट किया, ष्वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन, एवीएसएम, एनएम, ने 01 अगस्त 2025 को 47वें नौसेना उप प्रमुख रुवीसीएनएस के रूप में पदभार ग्रहण किया।ष्

1 जनवरी 1988 को भारतीय नौसेना में कमीशन प्राप्त फ्लैग ऑफिसर तोपखाना और मिसाइल प्रणाली विशेषज्ञ हैं।

नौसेना ने पोस्ट किया, ष्उन्होंने /भ्फ–प्क्ै–प्दकपं में क्ब्ै (नीति, योजना और बल विकास) और क्ब्वै ऑप्स, /फ्छ–भ्फ्छ६ में चीफ ऑफ स्टाफ, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के डिप्टी कमांडेंट, पूर्वी बेड़े के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग और रुछभ्फ में |क्षै नीति और योजनाओं सहित विभिन्न महत्वपूर्ण परिचालन, स्टाफ और प्रशिक्षण नियुक्तियों को संभाला।ष्

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे के 71वें पाठ्यक्रम के पूर्व छात्र, वाइस एडमिरल वात्सायन को 1 जनवरी, 1988 को भारतीय नौसेना में कमीशन दिया गया था।

उन्होंने तीन दशक से अधिक के अपने विशिष्ट नौसैनिक करियर में कमान, परिच. ालन और स्टाफ संबंधी विविध कार्यभार संभाले हैं।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि समुद्र में, फ्लैग ऑफिसर ने विभिन्न अग्रिम पंक्ति के युद्धपोतों पर सेवा दी है, जिसमें निर्देशित मिसाइल विध्वंसक आईएनएस मैसूर, आईएनएस निशंक के कमीशनिंग दल और तटरक्षक ओपीवी आईसीजीएस संग्राम के प्री–कमीशनिंग दल के रूप में कार्य शामिल है।

उन्होंने आईएनएस मैसूर के कार्यकारी अधिकारी के रूप में भी काम किया है, इसके अलावा उन्होंने तटरक्षक जहाज सी–05, मिसाइल जहाजों आईएनएस विभूति और आईएनएस नाशक, मिसाइल कोरवेट आईएनएस कुठार और गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस सह्याद्री (कमीशनिंग कमांडिंग ऑफिसर) की कमान भी संभाली है।

बयान में कहा गया है कि फरवरी 2020 में उन्होंने पूर्वी बेड़े के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग के रूप में पदभार संभाला और गलवान की घटनाओं के बाद बढ़ी समुद्री गतिविधि के दौरान कई परिचालन तैनाती और अभ्यास का नेतृत्व किया।

डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन, नेवल वॉर कॉलेज, गोवा और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज, नई दिल्ली से स्नातक, फ्लैग ऑफिसर ने प्रमुख रणनीतिक और नीति–उन्मुख स्टाफ भूमिकाओं में भी उत्कृष्टता हासिल की है।

उन्होंने वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन का स्थान लिया, जिन्होंने गुरुवार को आईएनएस शिकरा में आयोजित एक औपचारिक परेड में वाइस एडमिरल संजय जे सिंह से पश्चिमी नौसेना कमान (डब्ल्यूएनसी) के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ (एफओसीआईएनसी) के रूप में पदभार ग्रहण किया।

अधिकारियों ने बताया कि एफओसीआईएनसी का पदभार ग्रहण करने के बाद वाइस एडमिरल स्वामीनाथन ने मुंबई स्थित नौसेना डॉकयार्ड के गौरव स्तंभ पर राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुरों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

1 जुलाई 1987 को भारतीय नौसेना में कमीशन प्राप्त फ्लैग ऑफिसर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, संयुक्त सेवा कमान और स्टाफ कॉलेज, श्रीवेनहम, यूके, कॉलेज ऑफ नेवल वारफेयर, करंजा और यूनाइटेड स्टेट्स नेवल वार कॉलेज, न्यूपोर्ट के पूर्व छात्र हैं।

नौसेना ने बताया कि उन्होंने अपने नौसैनिक करियर में कई महत्वपूर्ण परिच. ालन, स्टाफ और प्रशिक्षण पदों पर कार्य किया, जिनमें मिसाइल पोत आईएनएस विद्युत और आईएनएस विनाश, मिसाइल कोरवेट आईएनएस कुलिश, निर्देशित मिसाइल विध्वंसक आईएनएस मैसूर और विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य की कमान शामिल है।

एक्स पर एक पोस्ट में, मुख्यालय आईडीएस ने कहा कि वाइस एडमिरल विनीत मैकार्थी ने शुक्रवार को नौसेना मुख्यालय में नियंत्रक कार्मिक सेवा के प्रतिष्ठित पद को त्यागने के बाद एकीकृत रक्षा स्टाफ (नीति नियोजन और बल विकास) के उप प्रमुख के रूप में पदभार ग्रहण किया।

इसमें कहा गया है, ष्उनकी नियुक्ति से तीनों सेनाओं के बीच समन्वय, रणनीतिक नीति निर्माण और बल विकास पहल में निरंतरता सुनिश्चित होगी, जो भारत की उभरती रक्षा संरचना के लिए महत्वपूर्ण है।ष्

शुक्रवार को एक अन्य बयान में रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वाइस एडमिरल सीआर प्रवीण नायर ने 31 जुलाई को कार्मिक सेवा नियंत्रक (सीपीएस) का पदभार ग्रहण किया।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

# जीएलडीएम डिग्री कॉलेज हीरानगर में रक्षाबंधन पर पोस्टर मेकिंग कार्यक्रम आयोजित

सनी शर्मा

**हिरानगर । जीएलडीएम डिग्री कॉलेज हीरानगर में रक्षाबंधन का पर्व पूरे उत्साह और सांस्कृतिक भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कॉलेज में पोस्टर मेकिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।**

**इस रचनात्मक गतिविधि में विद्यार्थियों ने भाई–बहन के प्रेम, पारिवारिक मूल्य और शविविधता में एकताश जैसे विषयों को रंग–बिरंगे और भावपूर्ण पोस्टरों के माध्यम से प्रस्तुत किया। छात्रों की कलाकृतियों में न केवल त्योहार की उमंग दिखाई दी, बल्कि सामाजिक सौहार्द और परस्पर सम्मान जैसे महत्वपूर्ण संदेश भी उभरे।**

**कॉलेज की प्राचार्या डॉ. प्रज्ञा खन्ना ने प्रतिभागियों की कलात्मक अभिव्यक्ति और विच. ारों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल सांस्कृतिक पहचान मजबूत होती है, बल्कि सामाजिक एकता और मानवीय मूल्यों को भी बढ़ावा मिलता है। उन्होंने छात्रों को रक्षाबंधन के मूल भावकृआपसी देखभाल, स्नेह और सम्मानकृको जीवन में उतारने की प्रेरणा दी।**

**कार्यक्रम का आयोजन हिंदी विभागाध्यक्ष एवं उन्नत भारत अभियान के समन्वयक प्रो. राकेश शर्मा की देखरेख में किया गया। इस अवसर पर बलबीर सिंह, संदीप कुमार, प्रो. शापिया शमीम और डॉ. विजय कुमार की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।**

# वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत में 33.50 रूपये की कटौती

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क दरों में उतार–चढ़ाव के अनुरूप, शुक्रवार को विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में 3 प्रतिशत की वृद्धि की गई, जबकि वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत 33. 50 रुपये कम कर दी गई।

सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में जेट ईंधन (एटीएफ) की कीमत 2,677.88 रुपये प्रति किलोलीटर या 2.9 प्रतिशत बढ़कर 92,021.93 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। यह देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है।

यह वृद्धि पिछले महीने 7.5 प्रतिशत (6,271.5 रुपये प्रति किलोलीटर) की भारी वृद्धि के बाद हुई है, जिससे एयरलाइनों की परिचालन लागत बढ़ गई है।

अप्रैल से शुरू हुई तीन मासिक कटौतियों के बाद जुलाई में यह बढ़ोतरी हुई है। तीनों कटौतियों में कुल मिलाकर कीमतों में 12,239.17 रुपये प्रति किलोलीटर की कटौती हुई थी। इसके बाद की बढ़ोतरी (8,949.38 रुपये प्रति किलोलीटर) ने लगभग तीन–चौथाई लाभ खत्म कर दिया है।

एटीएफ की कीमत में वृद्धि भू–राजनीतिक तनाव और व्यापार युद्ध के बाद अंतर्राष्ट्रीय तेल कीमतों में आई तेजी के अनुरूप है।

इस वृद्धि से वाणिज्यिक एयरलाइनों पर बोझ बढ़ेगा, जिनके लिए ईंधन परिचालन लागत का लगभग 40 प्रतिशत है।

एयरलाइनों से इसके प्रभाव पर तत्काल कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हो सकी।

# पुलिस ने दो मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया; प्रतिबंधित पदार्थ बरामद

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : समाज से नशे की बुराई को खत्म करने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए, पुलिस ने बारामूला और सोपोर में दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किए हैं। कुंज़र पुलिस स्टेशन के प्रभारी के नेतृत्व में एक पुलिस दल ने ग्रिड स्टेशन के पास लोलपोरा में एक नाके पर छापा मारा। जाँच के दौरान, पट्टन के हंजीवेरा निवासी इश्फाक अली लोन पुत्र अली मोहम्मद लोन को रोका गया। तलाशी लेने पर उसके पास से 20 ग्राम ब्राउन शुगर जैसा पदार्थ बरामद हुआ। उसे गिरफ्तार कर पुलिस स्टेशन ले जाया गया है जहाँ वह अभी भी हिरासत में है। इसी तरह, महाराजपुरा, सोपोर में स्थापित एक नाके पर पुलिस दल ने एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका।

नाकाबंदी दल को देखकर, उस व्यक्ति ने भागने की कोशिश की, लेकिन सतर्क पुलिस दल ने उसे बड़ी चतुराई से पकड़ लिया। तलाशी के दौरान, नशीली गोलियों से भरा एक पॉलीथीन बैग बरामद हुआ।

उसकी पहचान लतीफ अहमद लासो पुत्र हबीबुल्लाह लासो निवासी महाराजपुरा, सोपोर के रूप में हुई है। उसे गिरफ्तार कर पुलिस थाने ले जाया गया है जहाँ वह अभी भी हिरासत में है। तदनुसार, संबंधित थानों में संबंधित धाराओं के तहत मामले दर्ज कर आगे की जाँच शुरू कर दी गई है। हम आम जनता से आग्रह करते हैं कि वे नशीली दवाओं की तस्करी या अन्य आपराधिक गतिविधियों की सूचना नज़दीकी पुलिस स्टेशन या 112 डायल करके दें। नशीली दवाओं के खतरे के खिलाफ हमारी सामूहिक लड़ाई में आपका सहयोग अत्यंत आवश्यक है।

# रिंग रोड, सोहांजना पर गुंडागर्दी का कोई अंत नहीं

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : कल रात, 4–5 अज्ञात बदमाशों ने रिंग रोड, सोहांजना के पास एक खड़ी स्कॉर्पियो (JK02DD–2600) पर धारदार हथियारों और लाठियों से बेरहमी से हमला किया। केशव सिंह पुत्र ओंकार सिंह का वाहन, कम ईंधन के कारण अस्थायी रूप से पार्क किया गया था। कानून का कोई डर नहीं है – अपराधी सड़कों पर राज करते हैं। स्थानीय लोग डर में जी रहे हैं, लेकिन अधिकारी निष्क्रिय हैं। सख्त कार्रवाई और चौबीसों घंटे गश्त का समय। बहुत हो गया! कल रात कुछ अज्ञात व्यक्ति ने स्कॉर्पियो श्र्ज02क्क–2600 पर धारदार हथियारों और लाठियों से 4/5 हमला किया, जो कम ईंधन के कारण रिंग रोड सो. हाजना में खड़ी थी और उक्त वाहन का मालिक केशव सिंह पुत्र ओंक. ार सिंह निवासी सोहांजना

# सरकार विपक्ष की एसआईआर पर चर्चा की मांग के आगे झुकने को तैयार नहीं

नई दिल्ली : संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को पूर्व लोकसभा अध्यक्ष बलराम जाखड़ के एक फैसले का हवाला देते हुए तर्क दिया कि संसद चुनाव आयोग के कामकाज पर चर्चा क्यों नहीं कर सकती।

मानसून सत्र का एक और दिन विपक्ष की इस मांग के कारण व्यर्थ चला गया कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर दोनों सदनों में चर्चा की जाए। हालांकि रिजिजू ने इस बात पर जोर दिया कि इस मुद्दे पर निर्णय लोकसभा और राज्यसभा के अध्यक्षों को लेना है, लेकिन आधिकारिक हलकों से संकेत मिल रहे हैं कि सरकार इस मुद्दे पर विपक्ष के आगे झुकने की संभावना नहीं है, जिस पर भारत ब्लॉक की पार्टियां विरोध में एकजुट हैं।

दिवंगत कांग्रेसी नेता जाखड़ 1980 से 1989 के बीच लोकसभा अध्यक्ष रहे, जो लोकसभा में कांग्रेस के बहुमत का अंतिम दशक था।

रिजिजू ने कहा कि एसआईआर चुनाव आयोग के कार्यक्षेत्र का हिस्सा है। उन्होंने आगे कहा, ष्यह पहली बार नहीं है जब चुनाव आयोग ऐसा कर रहा है। संसद चुनाव आयोग के प्रशासनिक कार्यों पर चर्चा कर सकती है या नहीं, यह नियमों के अनुसार अध्यक्ष को तय करना है। उन्होंने कहा कि चर्चा में शामिल मुद्दे से संबंधित मंत्री आम तौर पर सदस्यों द्वारा उठाई गई चिंताओं का जवाब देते हैं, और आश्चर्य व्यक्त किया कि संवैधानिक रूप से स्वायत्त निकाय, चुनाव आयोग के मामले में ऐसा कौन कर सकता है। उन्होंने कहा कि जो बात नियमों और परंपराओं के अनुकूल नहीं है, उस पर चर्चा नहीं की जा सकती।

विपक्ष ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया है कि वह चुनावों में सत्तारूढ़ भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए सरकार के इशारे पर काम कर रहा है और कथित तौर पर उनसे सहानुभूति रखने वाले मतदाताओं को हटा रहा है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग ष्वोट चोरीष में लिप्त है।

21 जुलाई को सत्र शुरू होने के बाद से, विपक्ष द्वारा एसआईआर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तथा इस पर संसद में चर्चा की मांग के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही लगभग निरंतर स्थगित होती रही है, केवल पहलगाम आतंकी हमले तथा ऑपरेशन सिंदूर पर दो उत्पादक दिनों तक चली बहस को छोड़कर।

विपक्ष द्वारा सोमवार को तथा दोनों सदनों की कार्यसूची तय करने वाली कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में भी अपनी मांग पर फिर से जोर दिए जाने की संभावना है।

संसद में व्यवधान डालने के लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए रिजिजू ने कहा कि अब विपक्ष अन्य सदस्यों को अपने मुद्दे उठाने की अनुमति दे रहा है और फिर दावा कर रहा है कि उसे बोलने नहीं दिया जा रहा है।

मंत्री ने कहा कि संसद को चलाने के लिए जनशक्ति और धन सहित विशाल संसाधन खर्च किए जाते हैं, लेकिन विपक्ष के निरंतर विरोध ने उन्हें बर्बाद कर दिया है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक सांसद उस मुद्दे को उठाना चाहता है जिसे वह महत्वपूर्ण समझता है, लेकिन विपक्षी दल अब उन्हें संसद से प्रश्न पूछने या महत्वपूर्ण मामलों पर अपनी भावनाएं व्यक्त करने की अनुमति दे रहे हैं।

## तत्काल मरम्मत कार्य के कारण अमरनाथ यात्रा 3 अगस्त तक स्थगित

श्रीनगर/जम्मू : तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर वार्षिक अमरनाथ यात्रा शुक्रवार को तीन अगस्त तक स्थगित कर दी गई क्योंकि भारी बारिश के बाद तीर्थयात्रा के दोनों मार्गों पर ष्तत्काल मरम्मत और रखरखाव कार्यष किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह पहलगाम मार्ग से तीर्थयात्रा स्थगित रही और तीर्थयात्रियों के किसी नए जत्थे को गुफा मंदिर की ओर जाने की अनुमति नहीं दी गई, जबकि बालटाल मार्ग से यात्रा की अनुमति दी गई।

हालांकि, भारी बारिश के कारण बाद में बालटाल मार्ग से भी यात्रा स्थगित कर दी गई।

जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से तीर्थयात्रियों की आवा. जाही लगातार दूसरे दिन भी स्थगित रही।

कश्मीर के संभागीय आयुक्त विजय कुमार बिधूड़ी ने कहा, ष्हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण श्री अमरनाथ जी यात्रा मार्ग के बालटाल मार्ग पर मरम्मत और रखरखाव कार्य किए जाने की आवश्यकता है। यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर 3 अगस्त को बालटाल मार्ग से भी यात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी।ष

उन्होंने कहा कि आगे की जानकारी समय आने पर जारी की जाएगी।

भिढ़ूरी ने कहा कि यात्रा क्षेत्र में पहलगाम और बालटाल दोना. मार्गों पर हाल ही में भारी बारिश हुई है, इसलिए इस भारी बारिश के बाद बालटाल मार्ग पर तत्काल रखरखाव कार्य किए जाने की आवश्यकता है।

कश्मीर में मूसलाधार बारिश के कारण सड़कें असुरक्षित हो गई थीं, जिसके बाद बुधवार को बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों पर तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई थी।

# पाक डीजीएमओ ने सैन्य गतिविधियां रोकने के लिए भारतीय समकक्ष से संपर्क किया : सरकार ने राज्यसभा को बताया

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्लीरू भारत ने गुरुवार को दो. हराया कि पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक ने 10 मई को अपने भारतीय समकक्ष से संपर्क कर गोलीबारी और सैन्य गतिविधियां बंद करने का अनुरोध किया था, जिस पर उसी दिन बाद में सहमति बन गई थी। भारत ने कहा कि यह सहमति दोनों डीजीएमओ के बीच सीधे तौर पर बनी थी।

विदेश मंत्रालय (एमईए) से पूछा गया था कि क्या यह सच है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम वार्ता में किसी तीसरे पक्ष का हस्तक्षेप हुआ था।

राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा, ष्नहीं महोदय। 10 मई 2025 को, पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशक (क्ळडव्) ने अपने भारतीय समकक्ष से गोलीबारी और सैन्य गति. विधियाँ बंद करने का अनुरोध किया था, जिस पर उसी दिन बाद में सहमति बन गई थी। यह सहमति दोनों महानिदेशक. ों के बीच सीधे तौर पर बनी थी।ष

केरल के सांसद हरीस बीरन ने यह भी पूछा कि क्या युद्ध विराम के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच कोई द्विपक्षीय समझौता हुआ है, जिस पर सिंह ने जवाब दिया, ष्नहीं।ष

बीरन इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के सदस्य हैं।

25 जुलाई को केंद्र ने संसद को सूचित किया था कि भारत और पाकिस्तान 10 मई को गोलीबारी और सैन्य गतिविधि बंद करने पर सहमत हुए थे, जो दोनों देशों के सैन्य संचालन महा. निदेशकों (डीजीएमओ) के बीच "प्रत्यक्ष संपर्क" के परिणामस्वरूप हुआ था, जिसकी पहल "पाकिस्तानी पक्ष द्वारा" की गई थी।

लोकसभा में प्रश्न के लिखित उत्तर में सिंह ने यह भी कहा था, ष्हमारे सभी वार्ताकारों को एक ही संदेश दिया गया कि भारत का दृष्टिकोण केंद्रित, संतुलित और गैर–उग्रवादी है।ष

राज्यसभा में गुरुवार को एक अलग प्रश्न में विदेश मंत्रालय से पूछा गया कि क्या यह सच है कि पाकिस्तान को तालि. बान के खिलाफ प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के आतंकवाद–रोधी पैनल का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है; और पाकिस्तान को ष्आतंकवाद का केंद्र होने के बावजूद अध्यक्षता करने की अनुमति कैसे दी गईष।

सिंह ने कहा कि सुरक्षा परिषद के सहायक निकायों के लिए अध्यक्षता और उपाध्यक्ष पद का आवंटन एक षनियमित वार्षिक प्रक्रियाष है, जो पारंपरिक रूप से इसके सदस्यों के बीच आम सहमति पर आधारित है। उन्होंने कहा, ष्स्थापित प्रथा के अनुसार, सभी अध्यक्ष और अधिकांश उपाध्यक्ष पद अस्थायी सदस्यों को दिए जाते हैं। 2025 में, लगभग 24 सहायक निकायों के लिए आवंटन किए गए थे। पाकिस्तान 2025–26 के कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का एक अस्थायी सदस्य है। इसे 2025 के लिए यूएनएससी 1988 (तालि. बान) प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष और रूस और फ्रांस के साथ 2025 के लिए यूएनएससी 1373 आतंकवाद–रोधी समिति का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

सिंह ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद 1988 प्रतिबंध समिति के अध्यक्ष के रूप में पाकिस्तान की भूमिका ष्मुख्य रूप से बैठकें आयोजित करना, उन्हें सुगम बनाना तथा प्रस्ताव 1988 (2011) के तहत समिति के अधिदेश को क्रियान्वित करने के लिए सदस्यों के बीच समन्वय स्थापित करना है।ष उन्होंने आगे कहा कि सभी निर्णय सर्वसम्मति से लिए जाते हैं।

उन्होंने कहा कि आतंकवाद निरोधक समिति के उपाध्यक्ष के रूप में पाकिस्तान की भूमिका ष्अधिकतर औपचारिक है, जो समिति के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए अध्यक्ष को रसद और प्रक्रियात्मक तैयारियों में सहायता करने तक सीमित है।

उन्होंने आगे कहा, ष्सुरक्षा परिषद के सहायक निकायों के भीतर पदों का मुख्य उद्देश्य प्रासंगिक संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रस्तावों में निर्धारित अधिदेशों के कार्यान्वयन का समर्थन करना है। चूँकि इन निकायों में निर्णय सर्वसम्मति से लिए जाते हैं, इसलिए कोई भी सदस्य एकतरफ़ा तौर पर एजेंडे या विषयवस्तु को प्रभावित नहीं कर सकता।ष

मंत्रालय से हाल ही में पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक समर्थन जुटाने के लिए भेजे गए सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडलों के बारे में भी पूछा गया।

सिंह ने कहा, ष्आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से निपटने के लिए भारत की मज़बूत राष्ट्रीय सहमति और दृढ़ दृष्टिकोण से अवगत कराने के लिए सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों ने कुल 33 देशों की यात्रा की। प्रत्येक प्रतिनिधिमंडल में भारत भर के विभिन्न राजनीतिक दलों के माननीय सांसद और प्रतिष्ठित व्यक्ति, साथ ही वरिष्ठ राजनयिक शामिल थे।ष

उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडलों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया तथा कार्यपालिका एवं विधायी शाखाओं, मीडिया, थिंक टैंकों और भारतीय समुदाय के महत्वपूर्ण एवं प्रभावशाली वार्ताकारों के साथ ठोस चर्चा हुई।

राज्य मंत्री ने कहा, ''उन्होंने अपने वार्ताकारों को पहलगाम आतंकवादी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के साथ–साथ भारत में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी हमलों के लंबे इतिहास के बारे में भी जानकारी दी।''

उन्होंने आगे कहा, ष्प्रतिनिधिमंडल न केवल वैश्विक स्तर पर आतंकवाद में पाकिस्तान की संलिप्तता के बारे में जागरूकता बढ़ाने में सफल रहे, बल्कि जम्मू–कश्मीर और ऑपरेशन सिंदूर पर पाकिस्तानी दुष्प्रचार का भी जवाब देने में सफल रहे। उनके सभी वार्ताकारों ने भारत के विरुद्ध आतंकवाद के इस्तेमाल की स्पष्ट रूप से निंदा की, और उनमें से कई ने आतंकवाद के विरुद्ध भारत के आत्मरक्षा के अधिकार को मान्यता दी।

# डोगरी को वैश्विक रंगमंच से जोड़ने के लिए बलवंत ठाकुर ने शेक्सपियर के जन्मस्थान का दौरा किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भारत के प्रख्यात नाट्य निर्देशक और नाटककार बलवंत ठाकुर ने आज दुनिया के सबसे चर्चित नाटककार और कवि शेक्सपियर के जन्मस्थान का दौरा किया और उनके घटनापूर्ण जीवन और अद्भुत रचनात्मक कृ तियों का गहन अध्ययन किया। अपनी एक दिवसीय यात्रा के दौरान, शेक्सपियर संग्रहालय के भ्रमण के अलावा, एक प्रख्यात भारतीय नाट्य निर्देशक बलवंत ठाकुर को शेक्सपियर जन्मस्थान ट्रस्ट के स्थानीय कलाकारों से बात. चीत करने का भी दुर्लभ अवसर मिला, जिन्होंने शेक्सपियर के लोकप्रिय नाटकों के चुनिंदा दृश्यों का मंचन किया, जिसमें रोमियो जूलियट का एक दृश्य भी शामिल था।

विलियम शेक्सपियर को अंग्रेजी भाषा के सबसे प्रसिद्ध और प्रभावशाली नाटककार और कवि के रूप में व्यापक रूप से जाना जाता है। शेक्सपियर का जन्मस्थान, वार्विकशायर के स्ट्रैटफ़ोर्ड– अपॉन–एवन में हेनले स्ट्रीट पर स्थित एक 15वीं शताब्दी का लकड़ी का बना घर है, जहाँ विलियम शेक्सपियर का जन्म 1564 में हुआ था और उन्होंने अपना बचपन और अपनी शादी के शुरुआती साल यहीं बिताए थे।

अब एक संग्रहालय बन चुके इस घर का शेक्सपियर जन्मस्थान ट्रस्ट द्वारा 1857 और 1868 के बीच बड़े पैमाने पर जीर्णोद्धार किया गया था, जिससे इसके बाहरी हिस्से को 16वीं शताब्दी के स्वरूप में वापस लाया गया।

यह वह घर था जहाँ विलियम शेक्सपियर का जन्म हुआ, वे अपने परिवार के साथ पले–बढ़े और बाद में अपनी पत्नी ऐनी हैथवे के साथ अपनी शादी के पहले पाँच वर्षों तक रहे। बलवंत ठाकुर वर्तमान में नटरंग के अंतर्राष्ट्रीय थिएटर नेटवर्क का विस्तार करने और अपने रचनात्मक कार्य का दायरा बढ़ाने के उद्देश्य से इंग्लैंड के व्यापक दौरे पर हैं।

स्ट्रैटफ़ोर्ड अपॉन एवन में शेक्सपियर के जन्मस्थान की उनकी यात्रा का एक विशिष्ट उद्देश्य था क्योंकि उनकी योजना शरोमियो जूलियटश को डोगरी में रूपांतरित करने और इसे लोकप्रिय डोगरी लोककथा श्कुंजू चंचलोश के साथ मिलाने की है।

बलवंत ठाकुर को दोनों किंवदंतियों में बहुत समानताएँ नज़र आती हैं। रोमियो और जूलियट और कुंजू चंचलो दोनों ही मूल रूप से दुखद प्रेम कहानियाँ हैं, दोनों ही घृणा और संघर्ष के विनाशकारी परिणामों को प्रदर्शित करके शांति की वकालत करती हैं, विशेष रूप से रोमियो और बेनवोलियो, कुंजू और चंचलो जैसे पात्रों के कार्यों के माध्यम से, डोगरी लोक कथा संगीत और बलवंत ठाकुर के चित्रात्मक रंगमंच से युक्त, प्रस्तावित प्रस्तुति संघर्ष रूपांतरण, शांति स्थापना और सामाजिक परिवर्तन के साधन के रूप में नाट्य कलाओं और पद्धतियों के उपयोग का एक जीवंत उदाहरण होगी, जो प्रतिभागियों को सामाजिक मुद्दों पर विचार–विमर्श, चिंतन और कार्रवाई में शामिल करेगी और समझ व सामंजस्य को बढ़ावा देगी।

परिणामी कृति बाद में इंग्लैंड भी जा सकती है।

# श्रावण मास में लक्ष्मी नारायण मंदिर में भक्ति का उत्सव

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भक्ति और दिव्य ऊर्जा के प्रतीक, पवित्र श्रावण मास में, श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर प्रबंधन ट्रस्ट, गांधी नगर, जम्मू ने सोमवार शाम 6रू00 बजे भगवान शिव की महाआरती के बाद आध्यात्मिक भजन संध्या का आयोजन किया। मंदिर परिसर भक्ति संगीत, पवित्र मंत्रों और अटूट आस्था के दिव्य स्पंदनों से जीवंत हो उठा।

मंदिर प्रबंधन ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री, पं. गुलचौन सिंह चरक के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में शहर भर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित हुए, जो प्रार्थना, संगीत और आध्यात्मिक एकता में एक साथ आए।

श्री अमरनाथ जी यात्रा के मद्देनजर, पवित्र तीर्थयात्रा की सुरक्षा, कल्याण और सफल समापन के लिए विशेष प्रार्थनाएँ भी की गईं।

इस पावन अवसर पर, भक्तों द्वारा भगवान शिव को समर्पित भजन गाकर आशीर्वाद प्राप्त करने से वातावरण दिव्य उत्साह से भर गया।

मंदिर न्यासियों की ओर से बोलते हुए, श्री गंभीर देव सिंह ने श्रावण मास के गहन महत्व पर ज़ोर दिया और बताया कि कैसे इस तरह के सामूहिक धार्मिक अनुष्ठान सनातन धर्म के शाश्वत मूल्यों के संरक्षण और प्रसार में सहायक होते हैं।

उन्होंने कहा, हज़ारों लोग चुनौतीपूर्ण अमरनाथ यात्रा पर निकल रहे हैं, ऐसे में उनकी भलाई के लिए प्रार्थना करना और अपने क्षेत्र की आध्यात्मिक विरासत को बनाए रखना हमारा पवित्र कर्तव्य है।

ट्रस्टियों ने इस आयोजन का सुचारू और शांतिपूर्ण संचालन सुनिश्चित किया, भजन संध्या का समापन एक भव्य महाआरती के साथ हुआ, जो गूंजते मंत्रों और दिव्य भजनों के बीच अत्यंत भक्तिभाव से संपन्न हुई। वातावरण गहन श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उत्थान से परिपूर्ण था।

मंदिर प्रबंधन ट्रस्ट ने सभी श्रद्धालुओं को उनकी उत्साहपूर्ण भागीदारी के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया तथा समाज के सांस्कृ तिक और आध्यात्मिक ताने–बाने को पोषित करने वाले ऐसे पवित्र समारोहों के नियमित आयोजन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर भाग लेने वाले अन्य प्रमुख लोगों में करण सिंह, पीसी गुप्ता, सुमेश डमराल, कपिल सलाथिया, कृष्ण पी. गुप्ता, वेद वर्मा, प्रशांत शर्मा, संदीप सिंह, तरूण गुप्ता, श्रीमती शामिल थे। किरण राजपूत, कुलबीर सिंह चिब, अशोक गुप्ता और अशोक खजूरिया।

# रंगयुग ने प्रोफेसर शोहब इनायत मलिक को बधाई दी

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : रंगयुग के निदेशक/अध्यक्ष दीपक कुमार ने रंगमंच कलाकार श्री आशीष शर्मा के साथ प्रोफेसर शोहब इनायत मलिक से मुलाक. ात की और उन्हें जम्मू विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ विजुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स, डिजाइन एंड आर्किटेक्चर (एसवीएपीएडीए) के निदेशक के रूप में उनके नए कार्यभार पर हार्दिक बधाई दी। प्रो. मलिक जम्मू–कश्मीर में भाषा, साहित्य और संस्कृति के प्रचार–प्रसार में अपने उल्लेखनीय योगदान के लिए व्यापक रूप से सम्मानित हैं।

उनके निरंतर प्रयासों ने क्षेत्र के सांस्कृतिक परिदृश्य और शैक्षणिक संवाद को महत्वपूर्ण रूप से समृद्ध किया है। बैठक में रंगमंच, दृश्य और प्रदर्शन कलाओं पर केंद्रित भावी सहयोग और छात्रों में रचनात्मक नवाचार को बढ़ावा देने पर सार्थक चर्चा हुई। कलात्मक शिक्षा और समुदाय–संचालित सांस्कृतिक पहलों के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने का एक साझा दृष्टिकोण सामने आया।

रंगयुग, प्रो. मलिक के दूरदर्शी नेतृत्व में ॅट।. च।क। के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर है ताकि एक जीवंत, समावेशी और सांस्कृ तिक रूप से गतिशील पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण किया जा सके।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

# ऐतिहासिक बजुह नदी में फैली गंदगी पर नहीं जागी नगर समिति, 8 सप्ताह से लोग कर रहे सफाई की मांग

स्थानीय लोग बजुह नदी को लेकर अपना एतराज जताते व ऐतिहासिक बजुह नदी में फैली गंदगी का दृश्य

राज कुमार

नगरी, कस्बा नगरी की ऐतिहासिक बजुह नदी को साफ रखने और उसमें फैल रही गंदगी को हटाने की मांग को लेकर स्थानीय लोग बीते 8 सप्ताह से लगातार आवाज़ उठा रहे हैं, लेकिन नगर की म्यूनि. सिपल कमेटी अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठा पाई है।

स्थानीय नागरिक 'सबका जम्मू–कश्मीर' समाचार पत्र के माध्यम से लगातार म्यूनिसिपल कमेटी से मांग कर रहे हैं कि इस ऐतिहासिक और पवित्र नदी को साफ–सुथरा रखा जाए और वहां पर गंदगी फेंकने की आदत पर रोक लगाई जाए। लेकिन लोगों की भारी मांग और नाराजगी के बावजूद नगर समिति की ओर से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

लोगों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 से ही श्स्वच्छ भारत मिशनश की शुरुआत कर देश को साफ–सुथरा बनाने का सपना देखा था, लेकिन नगरी की नगर समिति उस सपने को ठेस पहुंचा रही है।

बजुह नदी के किनारे फैलाई जा रही गंदगी से आसपास के वार्ड, विशेषकर वार्ड नंबर 2 और उसके आस–पास के लोग काफी परेशान हैं। नागरिकों का कहना है कि यदि नगर समिति सफाई नहीं कर सकती तो उसे वहां गंदगी डालने का भी अधिकार नहीं है।

लोगों ने यह भी बताया कि बजुह नदी कभी स्थानीय लोगों के लिए बहुत उपयोगी थी।

कभी लोग यहां नहाते थे, अपने पशुओं को पानी पिलाते थे और यहां तक कि पीने के लिए भी इसका पानी इस्तेमाल किया जाता था। लेकिन अब हालात इतने खराब हो गए हैं कि इस नदी के किनारे गंदगी के ढेर लगे हुए हैं।

आश्चर्य की बात यह है कि नगर समिति के पास कचरा फेंकने के लिए अलग जगह मौजूद है, फिर भी गंदगी को नदी किनारे ही फेंका जा रहा है। इससे साफ ज़ाहिर होता है कि नगर समिति के अधिकारी अपने कर्तव्यों के प्रति गंभीर नहीं हैं। स्थानीय नागरिक. ों की मांग है कि समय रहते नगर समिति सजग हो, बजुह नदी की सफाई कराई जाए और भविष्य में वहां गंदगी न फैले, इसके लिए उचित कदम उठाए जाएं।

## ऐतिहासिक बजुह बचाओ अभियान : नगर समिति को दूसरों को नसीहत देना पड़ा भारी, खुद ही बन गई फजीहत का कारण

वजू नदी में कचरा फेंकने पर भड़के स्थानीय लोग, बोले – नदी हमारी पहचान है, इसे बर्बाद नहीं होने देंगे

राज कुमार

नगरी : एक ओर जहां केंद्र सरकार स्वच्छ भारत मिशन के तहत देशभर में सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के प्रयास कर रही है, वहीं नगरी कस्बे की म्युनिसिपल कमेटी उसी मिशन की खुलेआम अवहेलना कर रही है। कस्बे के मध्य स्थित ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण वजू (बजुह) नदी इन दिनों नगर समिति की लापरवाही का शिकार बन चुकी है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि म्युनिसिपल कमेटी प्रतिदिन नगर का कचरा उठाकर इसी पवित्र नदी में फेंक रही है। विडंबना यह है कि जो समिति आमजन को अपने घर और मोहल्लों को साफ–सुथरा रखने की नसीहत देती है, वही खुद नियमों को ताक पर रखकर नदी को गंदगी से पाट रही है।

सात हफ्तों से लगातार अपील, फिर भी प्रशासन मौन

स्थानीय नागरिक बीते सात हफ्तों से इस मुद्दे को लेकर नगर समिति और जिला प्रशासन से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इससे लोगों में गहरा रोष व्याप्त है। नदी के किनारे रहने वाले बुजुर्गों, युवाओं, महिलाओं ने अब "बजुह बचाओ अभियान" शुरू कर दिया है।

क्या बोले स्थानीय लोग :

नगर समिति को जनता को सफाई का पाठ पढ़ाने से पहले खुद पर अमल करना चाहिए।

हमारी नदी हमारी पहचान है, इसे बर्बाद नहीं होने देंगे।

प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं देगा तो हम आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

वार्ड नंबर 2 के लोगों का फूटा गुस्सा

वार्ड नंबर 2 के निवासी सोहन लाल, बलबीर राज और मान सिंह ने म्युनिसिपल कमेटी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि, "नगर समिति लगातार वजू नदी को गंदा कर रही है और इसका सबसे अधिक असर हमारे वार्ड पर पड़ रहा है। कचरे के कारण बदबू फैल रही है और बीमारियां बढ़ रही हैं। कमेटी वार्ड नंबर 2 में बीमारियां फैलाने का काम कर रही है, जो बेहद निंदनीय है।"

इस मौके पर बोले प्रवीण शर्मा उर्फ टीनू

बाजार निवासी और बजुह बचाओ अभियान से जुड़े प्रवीण शर्मा उर्फ टीनू ने कहा, "यह सिर्फ पर्यावरण नहीं, हमारी संस्कृति की लड़ाई है। वजू नदी सिर्फ एक जलधारा नहीं, हमारी भावनाओं से जुड़ी हुई पहचान है। हम इसके अस्तित्व की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। अगर प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया तो जनआंदोलन शुरू किया जाएगा।"

प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग

प्रदूषण और लापरवाही के इस गंभीर मामले को लेकर लोगों ने जिला प्रशासन और शहरी विकास विभाग के निदेशक से अपील की है कि वे इस मामले में तत्काल संज्ञान लें, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करें और नदी में कचरा फेंकना बंद कराएं। साथ ही कचरा निपटान के लिए कोई वैकल्पिक स्थान निर्धारित किया जाए ताकि नदी की स्वच्छता और गरिमा बनी रहे।

बजुह नदी को बचाने की यह लड़ाई अब केवल गंदगी के खिलाफ नहीं रही, यह एक संवेदनशील और सामूहिक जिम्मेदारी बन चुकी है।

यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो नगरी की यह ऐतिहासिक नदी इतिहास के पन्नों में सिमटकर रह जाएगी।

बजुह नदी की पुकार – स्वच्छता नहीं तो संघर्ष तय!

बजुह नदी पर संकट गहराया, सफाई की मांग को लेकर भड़का जनआक्रोश

यह जगह नगरी का मुख्य द्वार भी मानी जाती है, जिससे पूरे शहर की छवि जुड़ी हुई है।

बजुह नदी पर संकट गहराया, सफाई की मांग को लेकर भड़का जनआक्रोश

बजुह नदी की पुकार – स्वच्छता नहीं तो संघर्ष तय!

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

# संपादकीय

## उभरता हुआ भारत

संपादक – राज कुमार

हाल ही में, कुछ लोगों ने दावा किया है कि भारत एक षमृत अर्थव्यवस्थाष है, जो एक हैरान करने वाला और तथ्यों से कोसों दूर बयान है। इतने जोश से आगे बढ़ रहे किसी देश को गिरा हुआ कहना, उस दौड़ को गलत समझना है जिसमें वह दौड़ रहा है। आइए इस बयानबाजी के पीछे की सच्चाई पर गौर करें। मृत अर्थव्यवस्था? आंकड़े कुछ और ही कहते हैं। भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और 2028 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। हम 6.8 प्रतिशत की विकास दर की ओर बढ़ रहे हैं, और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (प्डथ्) ने अगले साल के अनुमान को बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। भारत सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है, जो अमेरिका और अन्य विकसित देशों से कहीं आगे है। विदेशी पूंजी का प्रवाह जारी है, भारत वैश्विक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश रैंकिंग में 15वें स्थान पर पहुँच गया है और 110 से ज़्यादा देशों से निवेश आकर्षित कर रहा है। मुद्रास्फीति लगभग 3 प्रतिशत पर बनी हुई है। भारत के परिवर्तन की असली धड़कन, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अक्सर कहा है, इसके लोगों की सामूहिक महत्वाकांक्षा और कार्य नीति है। भारतीय अक्सर अपनी उपलब्धियों को कम आंकते हैं, फिर भी वे 1.4 अरब लोगों के सपनों का निर्माण कर रहे हैं॰ जो अमेरिका की आबादी से चार गुना अधिक है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क बनाए रखता है, पिछले दस वर्षों में राजमार्गों का 60 प्रतिशत विस्तार हुआ है। रेलवे प्रणाली अब वैश्विक स्तर पर चौथी सबसे बड़ी है और इसकी क्षमता दोगुनी हो गई है। हमारी लॉजिस्टिक्स उन्नत अर्थव्यवस्थाओं से भी बेहतर प्रदर्शन करती है॰ अमेरिका में सात की तुलना में कंटेनर का ठहराव समय केवल तीन दिन है, और बंदरगाह पर टर्नअराउंड समय मात्र 0.9 दिन है, जो सिंगापुर और ऑस्ट्रेलिया से आगे है। मेट्रो रेल प्रणाली पाँच शहरों से बढ़कर बाईस से अधिक हो गई है। आज, भारत कमज़ोर नहीं रहा। वार्षिक सेवा निर्यात 340 अरब डॉलर से ज़्यादा है, जबकि उन्नत इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स के बल पर सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। भारत दुनिया के लिए आईफ़ोन बनाता है, षदुनिया की फ़ार्मेसीष के रूप में विख्यात है जो वैश्विक जेनेरिक दवाओं का 20 प्रतिशत आपूर्ति करता है, और इसने एक विश्वस्तरीय स्वदेशी रक्षा क्षेत्र विकसित किया है। 1.5 लाख से ज़्यादा स्टार्टअप्स के साथ॰ जिनमें 110 से ज़्यादा यूनिकॉर्न शामिल हैं॰ भारत दुनिया भर में तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है और फॉर्च्यून 500 कंपनियों में दूसरे सबसे ज़्यादा त्–क केंद्रों का घर है। ये उत्थान के संकेत हैं, पतन के नहीं। प्रगति ग्रामीण क्षेत्रों में मज़बूती से स्थापित है। सदियों से अर्थव्यवस्था की रीढ़ रही कृषि, रिकॉर्ड उत्पादन और तकनीकी परिवर्तन देख रही है। भारत दूध, दालों और जूट के उत्पादन में विश्व स्तर पर अग्रणी है, और चावल का सबसे बड़ा निर्यातक है। इस मजबूती के साथ–साथ सरकारी समर्थन में भी भारी उछाल आया है, कृषि बजट 2008–09 के 11,915 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024–25 में 1.2 लाख करोड़ रुपये हो गया है। कानूनी और नियामक सुधारों ने भारत की उन्नति को और बढ़ावा दिया है। 2014 से, ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस रैंकिंग में 79 पायदान की बढ़ोतरी हुई है, जो बेहतर प्रशासन को दर्शाता है। 180 से ज़्यादा व्यावसायिक अपराधों को अपराधमुक्त किया गया है, और 29 श्रम कानूनों को चार सुव्यवस्थित संहिताओं में मिला दिया गया है। स्किल इंडिया ने 1.4 करोड़ से ज़्यादा युवाओं को प्रशिक्षित किया है और 54 लाख को पुनः कुशल बनाया है, जिससे 2014 से 2024 तक 17.1 करोड़ नए रोज़गार सृजित हुए हैं। बेरोज़गारी दर 6 प्रतिशत से घटकर 3.2 प्रतिशत हो गई है, और युवाओं की रोज़गार क्षमता 34 प्रतिशत से बढ़कर 55 प्रतिशत हो गई है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के आंकड़ों के अनुसार, 2017 से अब तक 4.7 करोड़ से ज़्यादा युवा भारतीयों को औपचारिक रोज़गार मिला है। यह बदलाव डिजिटल क्षेत्र तक भी फैला है। भारत प्रति उपयोगकर्ता मोबाइल डेटा उपयोग के मामले में दुनिया में सबसे आगे है, जहाँ औसतन 32 जीबी प्रति माह डेटा उपयोग होता है, जो उत्तरी अमेरिका की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत ज़्यादा है और दुनिया में सबसे कम दरों पर उपलब्ध है। आईएमएफ भारत को तेज़ डिजिटल भुगतान में अग्रणी मानता है, जहाँ यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफ़ेस हर महीने 18 अरब से ज़्यादा लेनदेन संभालता है, और अब इसका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार हो रहा है। आधार बायोमेट्रिक आईडी प्रणाली ने 154 अरब से ज़्यादा प्रमाणीकरण संभव बनाए हैं और कुशल सेवा वितरण को मज़बूती दी है। भारत पहले से ही वैश्विक आईटी और दूरसंच.ार निर्यात में 10.2 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है। स्थायित्व के मोर्चे पर, भारत की स्वच्छ ऊर्जा क्रांति पूरे ज़ोरों पर है। सौर क्षमता 2025 में 30 गुना बढ़कर 100 गीगावाट से अधिक हो गई है। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन और म्20 ईंधन सम्मिश्रण जैसे प्रमुख कार्यक्रमों के साथ, इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 2018 में 95,000 से बढ़कर 2024 में 16 लाख से अधिक हो गई। जैसा कि प्रधानमंत्री बार–बार जोर देते हैं, स्वच्छ और समावेशी विकास उनकी सरकार के दृष्टिकोण के केंद्र में है। ़

# अपनी पहचान जाहिर करने में कैसी शर्म !

**असल में, मुजफ्फरनगर जिले के बघरा गांव में योग साधना आश्रम के संचालक और सनातन धर्म के प्रचारक स्वामी यशवीर महाराज पिछले कुछ वर्षों से कांवड़ मार्ग पर दुकानों और ढाबों पर नेम प्लेट लगाने की मांग करते रहे हैं।**

M,- vk'kh"k of'k"B

भगवान शंकर के प्रिय माह सावन की शुरूआत 11 जुलाई से है। सावन की शुरुआत के साथ ही कांवड़ यात्रा का शुभारंभ हो जाएगा। कांवड़ यात्रा में शिवभक्त नंगे पांव हाथ में कांवड़ लेकर लंबी दूरी तय करके शिवलिंग या ज्योतिर्लिंग में जाते हैं और पवित्र नदियों के जल से उनका अभिषेक करते हैं।

उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर कांवड़ यात्रा निकालने की परंपरा है। कांवड़ यात्रा का विराट रूप पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दिखता है। हरिद्वार से कांवड़ लेकर निकलने वाले कांवड़ यात्री इस मार्ग से निकलते हैं। इस मार्ग में भगवान शिव के कई बड़े प्राचीन एवं प्रसिद्ध मंदिर हैं। यहां पर श्रद्वालु भगवान का जलाभिषेक करते हैं। मुजफ्फरनगर, शामली, मेरठ से लेकर गाजियाबाद, हापुड़ तक के शिव मंदिरों में इस मार्ग से गंगाजल लेकर भक्त कांवड़ यात्रा निकालते हैं। लेकिन कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा मार्ग पर तनाव बढ़ गया है। असल में, मुजफ्फरनगर जिले के बघरा गांव में योग साधना आश्रम के संचालक और सनातन धर्म के प्रचारक स्वामी यशवीर महाराज पिछले कुछ वर्षों से कांवड़ मार्ग पर दुकानों और ढाबों पर नेम प्लेट लगाने की मांग करते रहे हैं। उनका कहना है कि कांवड़ मार्ग पर कुछ लोग हिंदू देवी–देवताओं के नाम पर ढाबे और दुकानें चलाकर शिव भक्तों को धोखा दे रहे हैं। पहचान छुपाकर धोखा देने वाले कई मामले सामने आने के बाद पिछले साल उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों ने आदेश जारी किए कि कांवड़–यात्रा के मार्ग के ढाबे, होटल, रेस्तरां, दुकानदार, खोमचेवाले स्पष्ट नाम पट्टिका लगाएंगे। सरकार का मंतव्य है कि कांवडियों की आस्था और श्रद्धा खंडित न हो। सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश इस पर रोक लगा दी थी। हालांकि, इस साल भी उप्र और उत्तराखंड की सरकारों ने पिछले साल की भांति आदेश जारी किए हैं।

ताजा प्रकरण यह है कि, स्वामी यशवीर महाराज और हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता कांवड़ मार्ग स्थित दिल्ली–दून हाईवे स्थित पंडित वैष्णो ढाबा पर पहुंचे। वास्तव में, ढाबा मुस्लिम का था, लेकिन बोर्ड पर लिखा था–'पंडित का शुद्ध वैष्णो ढाबा।' यानी पहचान छिपाने का अपराध किया गया था। पंडित वैष्णो ढाबे को सनव्वर नाम का एक मुस्लिम व्यक्ति चलाता है। इस ढाबे में उसका बेटा आदिल और जुबैर समेत दो अन्य लोग भी काम करते हैं।

कहा जा रहा है कि यशवीर महाराज और अन्य ने ढाबे के मालिक और कर्मचारियों की धार्मिक पहचान जांचने के लिए पैंट उतरवाई। विवाद यहीं से भडका। आग में घी डालते हुए समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एसटी हसन ने पहचान वाले मामले को पहलगाम आतंकी हमले से जोड़ने का काम किया। हसन ने कहा कि,

श्मैं पूछना चाहता हूं कि क्या आम नागरिकों को अधिकार है कि वह किसी दुकानदार की पैंट उतरवाकर चेक कर सकते हैं? क्या पहलगाम में आतंकियों ने पैंट नहीं उतरवाई थी? ऐसा करने वाले और पहलगाम के आतंकवादियों में क्या अंतर रह गया?श

उस ढाबे पर यह घटना हुई अथवा नहीं, पुलिस इसकी जांच कर रही है। लेकिन प्रकरण को 'सांप्रदायिक मोड़' दे दिया गया। पहलगाम एक सुनियोजित आतंकी कृत्य था। इन दोनों घटनाओं की तुलना करना न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि यह समाज में धार्मिक आधार पर तनाव पैदा करने का प्रयास भी है।

और जहां तक बात पहचान छुपाने या धोखा देने की है तो यह धंधा लंबे समय से चल रहा है। जुलाई, 2021 में गाजियाबाद में दो ऐसे मुसलमान दुक.ानदारों का पता चला था, जो हिंदू नाम से दुकान चला रहे थे। इनमें एक दुकान पुरानी सब्जी मंडी में है, जिसका नाम है श्न्यू अग्रवाल पनीर भंडार।श इस दुकान का मालिक है मंजूर अली। दूसरी दुकान श्लालाजी पनीर भंडारश के नाम से है। इसका मालिक ताहिर हुसैन है। इन दोनों का कहना था कि हिंदू नाम रखने से ग्राहक कम पूछताछ करते हैं और धंधा अच्छा चलता है। यानी ये धंधे के लिए हिंदुओं के साथ धोखा कर रहे थे। इनकी पोल तब खुली जब कुछ लोगों को पता चला कि इनका जीएसटी नंबर इनके असली नाम से है। स्थानीय दुकानदारों ने इनका विरोध किया तो इन लोगों ने अपनी दुकानों के नाम बदल लिए हैं।

पिछले साल कांवड़ यात्रा के समय जब नेम प्लेट लगाने के आदेश जारी हुए थे, तो खूब हंगामा मचा था।

उस समय सोशल मीडिया से लेकर अखबारों और समाचार चौनलों तक में इस बात की बड़ी चर्चा थी कि कैसे एक आद.ेश के चलते रातों रात मुजफ्फरनगर का श्संगम शुद्ध शाकाहारी होटलश बन गया श्सलीम ढाबा।श श्मां भवानी जूस कार्नरश का नाम हो गया श्फहीम जूस केंद्र।श श्टी प्वाइंटश का नाम हो गया श्अहमद टी स्टाल।श ऐसे ही श्नीलम स्वीट्सश का मालिक निकला मोहम्मद फजल अहमद।

अनमोल कोल्ड ड्रिंक्स का मालिक है मोहम्मद कमर आलम। खतौली के श्चीतल ग्रैंडश के बाहर एक बोर्ड लग गया है, जिस पर लिखा गया है– शारिक राणा डायरेक्टर। सहारनपुर में चल रहे श्जनता वैष्णो ढाबाश का मालिक है मोहम्मद अनस सिद्दीकी। मुजफ्फरनगर के बझेड़ी गांव निवासी वसीम अहमद ने पिछले साल पहचान जाहिर होने के बाद अपना श्गणपतिश ढाबा बेच दिया। एक रिपोर्ट के अनुसार देहरादून–नैनीताल राजमार्ग पर 20 से अधिक ढाबे ऐसे हैं, जो हिन्दू देवी–देवताओं के नाम पर हैं, लेकिन इन्हें चलाने वाले मुसलमान हैं। हरिद्वार नजीबा.बाद रोड पर चिडियापुर और समीरपुर गंग नहर रोड पर भी ऐसे हिंदू नामधारी ढाबे हैं, जिनके मालिक मुसलमान हैं। मेरठ, गजरौला, गढ़मुक्तेश्वर, मुंडा पांडे हाईवे पर भी दर्जनों ऐसे ढाबे चल रहे हैं, जिनके मालिक मुसलमान हैं।

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, धोखा देने के लिए ये लोग होटल के अंदर हिंदू देवी–देवताओं के चित्र भी रखते हैं, ताकि हिंदू यात्रियों को लगे कि वे किसी हिंदू होटल में ही खाना खा रहे हैं। लेकिन जब कोई ग्राहक ऑनलाइन पैसा देता है, तब पता चलता है मालिक मुसलमान है। इन ढाबों और होटलों में काम करने वाले लोगों के नाम राजू, विक्की, गुड्डू, सोनू जैसे होते हैं। ये लोग तिलक भी लगाते हैं और कलावा भी बांधते हैं। यह धोखा नहीं तो क्या है? मुजफ्फरनगर के पंडित वैष्णो ढाबे पर काम करने वाले तजमुल ने खुद को गोपाल बताया था। हरिद्वार में गुप्ता चाट भंडार में स्कैनर से पेमेंट गुलफाम नाम के अकाउंट में जाने का मामला बीते दिनों प्रकाश में आया है।

अहम सवाल यह है कि पहचान छुपाकर व्यापार करने के पीछे कोई मज़बूरी है या षडयंत्र? मुस्लिम व्यक्ति को अपने नाम से दुकान या ढाबा खोलने में क्या दिक्कत है? अपने–अपने धर्म के हिसाब से नाम लिखकर लोग दुकान खोलेंगे या व्यापार करेंगे तो ग्राहक अपनी मर्ज़ी से दुकान पर जाएगा और जिसे जहां से जो खरीदना होगा, वो वहां से ख़रीदेगा। लेकिन पहचान छुपाकर व्यापार या कोई अन्य कार्य करना कानून और नैतिक तौर पर गलत और अपराध है। ऐसी घटनाएं और प्रकरण प्रकाश में आने के बाद संदेह और अविश्वास का माहौल बनता है। जो सामा.जिक, राजनीतिक और कानून व्यवस्था के मोर्चे पर दिक्कतें पैदा करता है।

बात जब खाने पीने की हो तो मामला गंभीर और संवेदनशील हो जाता है। खानपान के पीछे व्यक्तिगत रूचि, संस्कार, धर्म–कर्म और आस्था की पृष्ठभूमि और भूमिका होती है।

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

# कठुआ कैंपस, जम्मू विश्वविद्यालय में इंडक्शन प्रोग्राम का शुभारंभ

## नवप्रवेशित छात्रों को नैतिक शिक्षा और करियर दिशा देने हेतु 12 अगस्त तक चलेगा विशेष कार्यक्रम

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ, 8 अगस्त। कठुआ कैंपस, जम्मू विश्वविद्यालय में आज इंडक्शन प्रोग्राम की शुरुआत की गई, जिसका उद्देश्य नवप्रवेशित छात्रों को शैक्षणिक वातावरण, संस्थागत मूल्य, और उपलब्ध अकादमिक व सह–पाठ्यक्रम अवसरों से परिचित कराना है। यह कार्यक्रम आगामी 12 अगस्त 2025 (मंगलवार) तक चलेगा।

कार्यक्रम के पहले दिन छात्रों के लिए एक प्रेरणादायक व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसका विषय था ष्बेबी स्टेप्स टू बिल्ड फॉर्च्यूनरू ए जर्नी ऑफ प्रोफेशनल एथिक्सष। यह व्याख्यान सेवफर्स्ट इन्वेस्टइंशुअर सर्विसेज के संस्थापक और निदेशक कमल के. शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया।

अपने वक्तव्य में कमल शर्मा ने कहा कि छोटे–छोटे सकारात्मक प्रयास, नैतिकता

और अनुशासन किसी भी छात्र के भविष्य को संवार सकते हैं। उन्होंने अपने जीवन अनुभवों से उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि कैसे लगातार मेहनत और सच्चाई के साथ किया गया कार्य लंबे समय में सफलता दिलाता है।

इस अवसर पर कठुआ कैंपस के रेक्टर प्रो. अरविंद जसरोतिया ने अपने संदेश में कहा कि शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ–साथ व्यावसायिक नैतिकता को आत्मसात करना आज के समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कठुआ कैंपस छात्रों को न केवल ज्ञान बल्कि जीवन मूल्यों से भी सशक्त बनाने के लिए कार्यरत है।

कार्यक्रम की शुरुआत एमसीए विभाग के प्रभारी प्रमुख डॉ. सौरभ शास्त्री द्वारा स्वागत भाषण के साथ हुई। उन्होंने कहा कि कठुआ कैंपस आधुनिक सुविधाओं और अनुभवी शिक्षकों के साथ छात्रों को सर्वांगीण विकास का अवसर प्रदान करता है। एमबीए विभाग की प्रभारी प्रमुख डॉ. रजनी सरंगल ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए कहा कि इस तरह के प्रेरणात्मक सत्र छात्रों को लक्ष्य निर्धारित करने और नैतिक मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं।

कार्यक्रम का संचालन प्रिंसी वर्मा, सहायक प्रोफेसर, द मैनेजमेंट स्कूल ने किया। इस अवसर पर डॉ. रितु शर्मा, डॉ. सुरेखा फाकवर्या, डॉ. नोमिता शर्मा, डॉ. मीनाक्षी ठाकुर, डॉ. सनी शर्मा, डॉ. भारती राणा, डॉ. प्रणव रत्ता, डॉ. विवुध गुप्ता एवं इंजी. विश्वजीत सिंह सहित कैंपस के अन्य प्राध्यापकगण भी उपस्थित रहे।

# संसद की कार्यवाही से विपक्ष के अनुपस्थित रहने से सरकार को कानून आसानी से पारित कराने में मदद मिलती है : आज़ाद

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगररू पूर्व संसदीय कार्य मंत्री गुलाम नबी आजाद ने गुरुवार को कहा कि संसद को सुचारू रूप से चलने दिया जाना चाहिए क्योंकि विपक्ष द्वारा कार्यवाही से अनुपस्थित रहने से सरकार को ही मदद मिलती है।

उन्होंने कहा, ष्मैं सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के ख़िलाफ़ हूँ। अगर आप सदन को चलने नहीं देते, तो फिर चुने ही क्यों जाते हैं? सदन में आने का मतलब है कि आप संसद में राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू मुद्दों और जनता की समस्याओं को सरकार के सामने उठाएँगे।ष

आजाद की यह टिप्पणी राज्यसभा में विपक्षी दलों के हंगामे के बीच आई है, जिन्होंने सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस का जवाब नहीं देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विरोध जताया और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुद्दा भी उठाया।

आज़ाद ने यहां संवाददाताओं से कहा, ष्जब विपक्ष सदन से बहिर्गमन करता है तो सरकार खुश होती है क्योंकि तब वह आसानी से कानून पारित कर सकती है। इसलिए, विपक्ष का बहिर्गमन सरकार के लिए मददगार होता है, वह उनका विरोध नहीं करता।ष

मनमोहन सिंह सरकार में मई 2004 से नवंबर 2005 तक संसदीय कार्य मंत्री रहे आजाद ने कहा कि वह हमेशा संसद के सुचारू संचालन के पक्षधर रहे हैं।

संसद में अपने पहले कार्यकाल को याद करते हुए आजाद ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उन्हें संसद में विपक्षी नेताओं के भाषण में बाधा न डालने की सलाह दी थी।

उन्होंने कहा, ष्इंदिरा ने मुझे बुलाया और कहा, श्आप संसद में बोलने आए हैं, हंगामा करने नहीं।श उन्होंने मुझसे कहा कि विपक्षी नेता को बोलने न देकर कोई नेता नहीं बन सकता।ष 22 अप्रैल को पहलगाम हमले पर पूर्ववर्ती जम्मू–कश्मीर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सुरक्षा विफलता की जिम्मेदारी ले ली है और यह अध्याय यहीं समाप्त हो जाता है।

उन्होंने आगे कहा, ष्मुझे लगता है कि वह अध्याय बंद हो चुका है। उपराज्यपाल पहले ही इस बारे में कुछ कह चुके हैं और उन्होंने ज़िम्मेदारी स्वीकार कर ली है, इसलिए अब यह मामला बंद हो जाना चाहिए।ष

हाल ही में सुरक्षा बलों द्वारा पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार तीन आतंकवादियों को मार गिराए जाने के संबंध में ऑपरेशन महादेव पर आजाद ने कहा कि वह सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए हर ऑपरेशन का समर्थन करते हैं, लेकिन मानवाधिकारों का उल्लंघन नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा, ष्मैंने हमेशा सुरक्षा बलों के हर ऑपरेशन का समर्थन किया है, यहाँ तक कि जब मैं मुख्यमंत्री था तब भी। सुरक्षा बलों को पूरी आज़ादी थी, लेकिन मेरी बस एक शर्त थी कि ऑपरेशन चलते रहें, लेकिन मानवाधिकारों का उल्लंघन या फ़र्ज़ी मुठभेड़ें न हों।ष

अपनी डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के भविष्य के बारे में पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह इस पर निर्णय लेंगे कि इसे जारी रखना है या नहीं।

उन्होंने अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के पार्टी छोड़ने का ज़िक्र करते हुए कहा, ष्यह एक पुरानी बीमारी है कि जब कोई मंत्री बनता है, तो वह जीते जी मंत्री ही रहना चाहता है। इसलिए, वह एक पार्टी से दूसरी पार्टी में जाता रहता है, और मंत्री बनने तक ऐसा करता रहेगा।

लेकिन, जो (मंत्री) नहीं थे और डीडीसी, बीडीसी थे, उनकी पार्टी में शामिल होने वालों की संख्या तीन गुना बढ़ गई है। मुझे तय करना है कि इसे (पार्टी को) चलाना जारी रखूँ या छोड़ दूँ, क्योंकि कश्मीर में राजनीति ज़्यादातर भावनाओं पर चलती है।

उन्होंने आगे कहा, ष्मेरी राजनीति सत्य और अहिंसा पर आधारित है। मैं चुनाव में और बाकी जगहों पर भी एक ही बात बोलता हूँ, चाहे वह जम्मू हो, दिल्ली हो या श्रीनगर। लोग चाहते हैं कि मैं अलग–अलग जगहों पर अलग–अलग बातें बोलूँ, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकता।ष

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम कराने के अमे. रिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे पर आजाद ने कहा कि उनके पास प्रधानमंत्री मोदी पर विश्वास न करने का कोई कारण नहीं है।

ष्दुर्भाग्य से, ट्रम्प बहुत सी बातें बोलते हैं। इसलिए, यह बहुत मुश्किल है। प्रधानमंत्री ने सदन में स्पष्ट कर दिया है कि यह हमारा अपना निर्णय था और किसी देश ने इसमें हस्तक्षेप नहीं किया।

# पहली बार तकनीकी समस्याओं के कारण पीएफबीआर में देरी हुई : जितेंद्र सिंह

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्लीरू सरकार ने गुरुवार को संसद को बताया कि 500 मेगावाट क्षमता वाले प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) के चालू होने में ष्पहली तरह की तकनीकी समस्याओंष के कारण देरी हो रही है।

पीएफबीआर की कोर लोडिंग पिछले वर्ष मार्च में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में शुरू हुई थी, जो भारत के तीन–चरणीय परमाणु कार्यक्रम के दूसरे चरण की ओर बढ़ने का संकेत था।

पिछले वर्ष जुलाई में परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) ने पीएफबीआर के एकीकृत कमीशनिंग के लिए मंजूरी प्रदान की थी।

प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में कहा, ष्प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) परियोजना के पूरा होने में देरी मुख्य रूप से परियोजना के एकीकृत कमीशनिंग चरण में सामने आ रही तकनीकी समस्याओं के कारण है।ष

उन्होंने कहा कि इन मुद्दों को डिजाइनरों के साथ निकट समन्वय में व्यवस्थित ढंग से हल किया जा रहा है।

पीएफबीआर भारत के परमाणु कार्यक्रम के लिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इन रिएक्टरों से प्राप्त ईंधन का उपयोग थोरियम आधारित रिएक्टरों को बिजली देने के लिए किया जाएगा, जो बंद ईंधन चक्र के तीसरे चरण का निर्माण करते हैं।

भारत पिछले चार दशकों से कलपक्कम में फास्ट ब्रीडर टेस्ट रिएक्टर (एफबीटीआर) का संचालन कर रहा है।

उन्नत भारी जल रिएक्टर (एएचडब्ल्यूआर), जो भारत के परमाणु कार्यक्रम का तीसरा चरण है, के डिजाइन की समीक्षा की जा रही है।

भारत में 8,780 मेगावाट की कुल क्षमता वाले 24 परमाणु ऊर्जा रिएक्टर संचालित हैं। इसके अतिरिक्त, भाविनी द्वारा कार्यान्वित 500 मेगावाट पीएफबीआर सहित कुल 13,600 मेगावाट क्षमता के रिएक्टर कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।

सिंह ने कहा कि इसके क्रमिक रूप से पूरा होने पर, स्थापित परमाणु ऊर्जा क्षमता 2031–32 तक 22,380 मेगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है।

# भारत-पाक अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर महिला मोर्चा ने जवानों को बांधी राखी, कहा : आप हमारे भाई हैं, देश है हमारा परिवार

## रक्षाबंधन के मौके पर ठैथ जवानों के साथ मनाया गया त्योहार, देश की बेटियों ने दिखाया अपनापन

राज कुमार/सनी शर्मा

मढ़ीन। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर जहां पूरा देश भाई-बहन के इस अटूट रिश्ते को उत्साह के साथ मना रहा है, वहीं शुक्रवार को एक अनोखी तस्वीर भारत-पाक अंतर्राष्ट्रीय सीमा से भी सामने आई। भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष सुषमा शर्मा के नेतृत्व में महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने जीरो लाइन बॉर्डर पर तैनात ठैथ के जवानों को रक्षा सूत्र बांधकर उनकी लंबी उम्र और सुरक्षा की कामना की।

राखी बांधते हुए बहनों ने जवानों को मिठाई भी खिलाई और उनके सेवा भाव को सलाम किया। महिला मोर्चा की अध्यक्ष सुषमा शर्मा ने कहा, ष्हमारे जवान हर परिस्थिति में, हर मौसम में देश की रक्षा करते हैं। वे अपने परिवार से हजारों किलोमीटर दूर रहकर हमारी सुरक्षा करते हैं। रक्षाबंधन का यह पर्व उन्हें यह अहसास कराने का अवसर है कि वे अकेले नहीं, बल्कि पूरा देश उनका परिवार है। हम सब उनकी बहनें हैं। कार्यक्रम में सीमा जन कल्याण समिति मास्टर देवराज, असिस्टेंट कमांडेंट (रिटायर्ड) रामदास माथुर, श्रमिक विभाग प्रमुख सत्यभूषण शर्मा, सनातन हरि कथा प्रचारक अनिल शर्मा, लंबरदार प्रमोद शर्मा, महिला मोर्चा से संजना, रजनी शर्मा, मंडल अध्यक्ष शारदा देवी, आशा, रजनी देवी, राधा विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जवान भी भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि जब देशवासी इस तरह सीमा पर आकर राखी बांधते हैं, तो घर की कमी कुछ पल के लिए दूर हो जाती है। यह प्यार ही हमें और मजबूती देता है।

## गीत

न्योछावर की लै कर के दीप्त सुरम्य भारत।
सीस हथेली ऊपर धर के दीप्त सुरम्य भारत।
गणतंत्र की इतिहास व्यवस्था से संविधान बनाया।
अमर सपूतों कर के ही आज़ादी दिवस कहलाता।
तब ही सुर्या भांति मर के दीप्त सुरम्य भारत।
न्योछावर की लौ कर के दीप्त सुरम्य भारत।
जाति धर्म से ऊपर उठकर सामाजिक नवनिर्माण।
मानववादी आदर्षे की उत्पन्न हुई पहचान।
उन्नति वाले दुख सुख जर के दीप्त सुरम्य भारत।
न्योछावर की लौ कर के दीप्त सुरम्य भारत।
ममता समता भाईचारा हदय भीतर छुपाया।
बलिदानों की नीति ऊपर फिर तिरंगा फहराया।
पांव छूकर फिर गिरिधर के दीप्त सुरम्य भारत।
पंश्रिमी रंगों ढंगों को फिर देष निकाला दे कर।
दैहिक वैदिक भौतिकता का एक षिवाला दे कर।
चिंतन में उंचाई भर के दीप्त सुरम्य भारत।
न्योछावर की लौ कर के दीप्त सुरम्य भारत।
आधुनिकता में प्रगति के फिर और किनारे ढूंढ़े।
कुषल मनोरथ की नांव के खेवनहारे ढूंढ़े।
नैतिकता के सागर तर के दीप्त सुरम्य भारत।
न्योछावर की लौ कर के दीप्त सुरम्य भारत।
बालम, इस के माथे ऊपर तिलक क्रांतिकारी का।
सुबह सवेरे जैसे सुर्य रूप लिए प्रभारी का।
प्यार मुहब्बत में संवर के दीप्त सुरम्य भारत।
न्योछावर की लौ कर के दीप्त सुरमय भारत।

ब्लविंदर बालम ओंकार नगर गुरदासपुर
पंजाब, 98156-26409

# कोटपुनु के स्थानीय युवा सड़क पर पड़े गड्डो को भरते हुए

## कोटपुनु-हरियाचक मार्ग पर युवाओं ने भरे गड्ढे, हादसों को रोकने की पहल

सनी कुमार

कोटपुनु/मढ़ीन। कोटपुनु से हरियाचक जाने वाले सड़क मार्ग पर जगह-जगह बने गड्ढों से हो रही दुर्घटनाओं को देखते हुए स्थानीय युवाओं ने खुद आगे बढ़कर एक सराहनीय कदम उठाया है। बुधवार को कोटपुनु गांव के युवाओं ने अपने स्तर पर सड़क के गड्ढों को मिट्टी और मलबे से भर दिया, ताकि कोई बड़ी दुर्घटना न हो सके।

स्थानीय निवासी सनी कुमार ने बताया कि इस रास्ते पर आए दिन दोपहिया वाहन फिसलते हैं और लोग चोटिल हो जाते हैं। जिससे परेशान होकर युवाओं ने खुद इन गड्ढों को भरने का फैसला लिया।

सनी कुमार ने कहा, ष्हमें लगा कि अगर हम खुद यह काम नहीं करेंगे तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है। बीआरओ विभाग को यह जिम्मेदारी निभानी चाहिए थी, लेकिन उन्होंने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की।ष

स्थानीय लोगों ने युवाओं के इस प्रयास की सराहना की और प्रशासन से मांग की कि जल्द से जल्द इस सड़क की मरम्मत की जाए ताकि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

# भारत राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी कदम उठाएगा: अमेरिकी टैरिफ पर गोयल

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्लीरू वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत राष्ट्रीय हितों की रक्षा और उन्हें बढ़ावा देने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा। यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एक अगस्त से अमेरिका को घरेलू निर्यात पर 25 प्रतिशत शुल्क और जुर्माना लगाने की घोषणा के एक दिन बाद कही गई।

संसद के दोनों सदनों में स्वप्रेरणा से दिए गए वक्तव्य में उन्होंने कहा कि सरकार इन शुल्कों के प्रभावों की जांच कर रही है तथा स्थिति के आकलन के लिए निर्यातकों और उद्योग सहित सभी हितधारकों से फीडबैक ले रही है।

उन्होंने कहा, ष्सरकार हमारे किसानों, श्रमिकों, उद्यमियों, निर्यातकों, एमएसएमई और उद्योग के सभी वर्गों के कल्याण की रक्षा और संवर्धन को सर्वोच्च महत्व देती है। हम अपने राष्ट्रीय हिता. ` को सुरक्षित और आगे बढ़ाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे।ष

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को घोषणा की कि 1 अगस्त से भारत से आने वाले सभी सामानों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा, साथ ही रूसी कच्चे तेल और सैन्य उपकरण खरीदने पर अनिर्दिष्ट जुर्माना भी लगाया जाएगा।

यह आश्चर्यजनक घोषणा ऐसे समय में की गई है जब प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर छठे दौर की वार्ता के लिए अमेरिकी व्यापार दल 25 अगस्त से भारत का दौरा कर रहा है।

गोयल की टिप्पणी महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत ने कृषि और डेयरी क्षेत्रों पर अमेरिका को शुल्क रियायत देने के मामले में अपना रुख कड़ा कर लिया है – जो भारत के साथ व्यापार वार्ता में अमेरिका की एक प्रमुख मांग है।

नई दिल्ली ने अपने पहले हस्ताक्षरित किसी भी समझौते में डेयरी क्षेत्र को कभी नहीं खोला है।

# पीएमवीबीआरवाई जागरूकता ईपीएफओ के निधि आपके निकट 2.0 में केंद्र स्तर पर है

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने आज केंद्र शासित प्रदेश जम्मू के एक प्रमुख स्थान पर अपनी प्रमुख आउटरीच पहल, षनिधि आपके निकट 2.0ष का सफलतापूर्वक आयोजन किया। क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त- प श्री सुमीत सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न ईपीएफओ सेवाओं, योजनाओं और हालिया पहलों के बारे में हितधारकों को व्यापक रूप से शिक्षित करना था। प्रवर्तन अधिकारी श्री देविंदर सिंह, जिला नोडल अधिकारी के रूप में टीम के साथ लेखा अधिकारी श्री अमन ढांढी के साथ मौजूद थे, जिसका उद्देश्य नियोक्ताओं, कर्मचारियों और अन्य हितधारकों को विभिन्न ईपीएफओ योजनाओं के बारे में शिक्षित करना यह कार्यक्रम जम्मू के गंग्याल स्थित औद्योगिक क्षेत्र स्थित उद्योग संघों के सम्मेलन हॉल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 70 से अधिक नियोक्ताओं और कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य विषय प्रधानमंत्री विकासशील भारत रोजगार योजना के उद्देश्यों, प्रमुख लाभों और कार्यान्वयन रणनीति की रूपरेखा तैयार करना और संयुक्त घोषणा, केवाईसी अद्यतनीकरण, यूएएन अद्यतनीकरण और बैंक खाता विवरण जैसी प्रक्रियाओं पर विशेष जोर देते हुए सदस्य सेवाओं में सुधार करना था।

देविंदर सिंह ने उपस्थित लोगों को योजना के पैमाने और उद्देश्यों से अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि इस योजना का कुल परिव्यय 1 लाख करोड़ रुपये है, जिसका लक्ष्य देश भर में 3.5 करोड़ रोज़गार के अवसर पैदा करना है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के सभी हितधारकों से इस योजना का सक्रिय रूप से लाभ उठाने का आग्रह किया, जो 1 अगस्त 2025 से दो वर्षों के लिए लागू होगी। उल्लेखनीय है कि विनिर्माण क्षेत्र के लिए, इस योजना का लाभ चार वर्षों तक बढ़ाया जाएगा।

क्षेत्रीय पीएफ आयुक्त-प श्री सुमीत सिंह ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए भाग लेने वाले सभी हितधारकों को धन्यवाद दिया। प्रमुख एसोसिएशन प्रतिनिधि श्री वीरेंद्र जैन, अध्यक्ष, श्री संजय लंगर, महासचिव, श्री संदीप ओहरी, उपाध्यक्ष, श्री अजय महाजन, सचिव और श्री जतिंदर सिंह, कोषाध्यक्ष कार्यक्रम में उपस्थित थे।

# नसीर अहमद वानी को एमडी जेकेपीसीसी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया

जम्मू : हाल ही में एक प्रशासनिक कदम के तहत, जम्मू और कश्मीर सरकार ने लोक निर्माण (आर एंड बी) विभाग के विशेष सचिव, जेकेएएस, नसीर अहमद वानी को जेकेपीसीसी लिमिटेड के प्रबंध निद. `शक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। वह सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा उपयुक्त अधिकारी की नियुक्ति होने तक इस पद पर बने रहेंगे।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

# कठुआ में कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन, 5 अगस्त को मनाया 'काला दिवस'

सनी शर्मा

कठुआ : जिला कांग्रेस कमेटी कठुआ ने सोमवार को 5 अगस्त को 'काला दिवस' के रूप में मनाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। यह कार्यक्रम पूर्व विधायक एवं जिला संयोजक बलवान सिंह और जिला कांग्रेस अध्यक्ष पंकज डोगरा के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस के विभिन्न नेताओं ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 2019 में जब केंद्र सरकार ने जम्मू–कश्मीर का राज्य का दर्जा समाप्त कर उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाया था, तब यह कहकर लोगों को आश्वस्त किया गया था कि इससे आतंकवाद और बेरोजगारी खत्म होगी। लेकिन छह वर्षों में न तो आतंकवाद पर लगाम लगी और न ही बेरोजगारी में कोई कमी आई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने जनता को गुमराह किया और अब लोग अपने हक और अपने राज्य का दर्जा वापस लेकर रहेंगे।

नेताओं ने कहा कि जम्मू–कश्मीर को फिर से पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाए और इसके लिए संवैधानिक संरक्षण सुनिश्चित किया जाए। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाकर विरोध जताया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

इस अवसर पर रॉबिन शर्मा, निर्दोष शर्मा, नरेश शर्मा, विशु आंदोत्रा, कृष्ण लाल भगत, डॉ. मधुसूदन, सरदार पमरिंदर सिंह पम्मा सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# स्थानीय कला को प्रोत्साहन देने के लिए कलाकार संजा मंच ने जिला सूचना अधिकारी कठुआ को सौंपा ज्ञापन

## सरकारी सहयोग, प्रदर्शन मंच और सांस्कृतिक आयोजनों की मांग उठाई

राज कुमार

कठुआ, कठुआ जिले में स्थानीय कला और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुरुवार को कलाकार संजा मंच के प्रतिनिधिमंडल ने जिला सूचना अधिकारी राजिंदर कुमार डिगरा (जेकेआईएस) को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कलाकारों ने सरकारी स्तर पर सहयोग की कमी, मंचों की अनुपलब्धता और नियमित सांस्कृतिक आयोजनों के अभाव जैसी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।

कलाकारों ने मांग की कि सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा जिला और ब्लॉक स्तर पर संरचित सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएं ताकि स्थानीय प्रतिभाओं को पहचान और अवसर मिल सके। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि उभरते कलाकारों को प्रदर्शन के लिए स्थायी मंच प्रदान किया जाए और नियमित सांस्कृतिक उत्सवों का आयोजन सुनिश्चित किया जाए।

जिला सूचना अधिकारी डिगरा ने कलाकारों की मांगों को सहानुभूतिपूर्वक सुनते हुए उन्हें उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि स्थानीय कला और कलाकारों को बढ़ावा देने के लिए विभाग प्रतिबद्ध है और उनकी चिंताओं को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए बेहतर अवसर और मंच उपलब्ध कराए जाएंगे।

## गज़ल

सुहानी ज़िंदगानी में अगर तकरार आते हैं।
बिखर जाते हैं तिनके घौंसले जब टूट जाते हैं। कभी लहरें उन्हें आबाद होने ही नहीं देती,
समन्दर के किनारे रेत के जो घर बनाते हैं।
उन्हें ही देवता सूरज या फिर भगवान होना है,
जो बंदे दूसरों के बोझ अपने सर उठाते हैं।
मुहोब्बत में जुदाई का असर ऐसा ही होता हैं,
वहीं लम्हें उम्र भर रोग बन कर फिर सताते हैं।
मेरा मकसद है अपने देश को सद्भावना देना,
मेरी ग़ज़लों के हक इन्सानियत के पुल बनाते हैं।
सिर्फ़ इक रौशनी को पकड़ने की इच्छा रखी थी,
अभी तक वक़्त के लम्हात यादों में सताते हैं।
उन्हें मालूम भी है ज़िंदगी दो तरफ होती है,
मगर रिश्तों की मर्यादा तो केवल हम निभाते हैं।
मेरी मज़बूरी का फायदा उठाना उन को आता है,
कभी वो मान जाते है कभी वो रूठ जाते हैं।
मेरा बहुरूपीया का भेस कोई माअने नहीं रखता,
नज़र के तेज़ इतने हैं मुझे पहचान जाते हैं।
मैं अपनी ग़ज़ल में बालम वो सारी बात कहता हूँ,
वो कहने वाली असली बात जो दिल में छुपाते हैं।

बलविंदर बालम गुरदासपुर
ओंकार नगर गुरदासपुर पंजाब
मों – 98156–25409

# राजेश शर्मा ने संभाला जिला उपायुक्त कठुआ का कार्यभार

## स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों का लिया जायजा

सनी कुमार

कठुआ, राजेश शर्मा ने गुरुवार को औपचारिक रूप से जिला उपायुक्त कठुआ का कार्यभार डीसी कार्यालय परिसर में संभाला।

डीसी कार्यालय पहुंचने पर राजेश शर्मा का वरिष्ठ अधिकारियों व कर्मचारियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

बाद में, उपायुक्त राजेश शर्मा ने जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए स्पोर्ट्स स्टेडियम कठुआ का दौरा किया।

इस दौरान उन्होंने इनडोर स्टेडियम के निर्माण कार्य का निरीक्षण भी किया। उन्होंने कहा कि यह सुविधा पूरी होने के बाद सभी के लिए खेलों में भागीदारी और विकास के नए अवसर प्रदान करेगी।

(1) स्वतंत्रता दिवस की तैयारी का जायजा लेने पहुंचे नए जिला आयुक्त (2) जिला उपायुक्त कठुआ का कार्यभार डीसी कार्यालय परिसर में संभाला।

# साप्ताहिक राशिफल

## मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह कभी खुशी कभी गम लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आपको निजी जीवन से लेकर करियर–कारोबार तक में उतार–चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। हालांकि सप्ताह की शुरुआत सामान्य रहने वाली है। इस दौरान व्यक्तिगत और पेशेवेर रूप से खुद को मजबूत पाएंगे। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। युवाओं का अधिकांश समय मौज–मस्ती करते हुए बीतेगा। घर–परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। सप्ताह के मध्य में आपको करियर–कारोबार में कुछ अप्रत्याशित बदलाव को झेलना पड़ सकता है।

इस दौरान नौकरीपेशा लोगों के सिर पर अचानक से अतिरिक्त जिम्मेदारी का बोझ आ सकता है। जिसे पूरा करने के लिए आपको अधिक समय और ऊर्जा खर्च करने की आवश्यकता रहेगी।

## वृषभ

वृष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी है। वृष राशि के जो जातक किसी कार्य विशेष के लिए बीते कुछ समय से लगातार प्रयासरत हैं, उन्हें इस सप्ताह भी उससे जुड़ी सफलता के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले उनका पूर्वार्ध थोड़ा राहत भरा रहने वाला है।

ऐसे में इस राशि के जातकों को अपने करियर–कारोबार और जीवन से जुड़े अहम कार्यों को इसी दौरान करने का प्रयास करना चाहिए। सप्ताह के मध्य में किसी व्यक्ति विशेष से मेल–मुलाकात होगी। जिसकी मदद से अटके कार्यों में धीमी गति से ही लेकिन प्रगति होती नजर आएगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में न सिर्फ कार्यक्षेत्र से जुड़ी बल्कि घर–परिवार से संबंधित समस्याएं भी आपकी परेशानी का कारण बन सकती हैं। इस दौरान पैतृक संपत्ति अथवा किसी जमीन–जायदाद को लेकर विवाद हो सकता है। अचानक से जीवन में तमाम तरह की समस्याएं सामने आने से आपका मन थोड़ा विचलित रह सकता है। हालांकि सुखद पहलू यह है कि इस दौरान आपके संगी–साथी आपकी ढाल बनेंगे और आपके साथ साए की तरह बने रहेंगे।

## मिथुन

मिथुन राशि के जातकों को इस सप्ताह सौभाग्य का पूरा साथ मिलेगा। यदि आप किसी कार्य विशेष के लिए लंबे समय से प्रयासरत थे तो उम्मीद का दामन बिल्कुल न छोड़ें क्योंकि इस सप्ताह उसमें आ रही बाधाएं स्वतरू दूर होती हुई नजर आएंगी। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय नौकरीपेशा लोगों के लिए अनुकूल रहने वाला है।

इस दौरान आपके शुभचिंतक आपको नेक सलाह देते हुए नजर आएंगे, जिस पर अमल करके आप अपनी चीजों को सुव्यवस्थित कर सकते हैं। सप्ताह के मध्य में किसी तीर्थ स्थान पर जाने का अचानक प्रोग्राम बन सकता है। इस पूरे सप्ताह घरेलू महिलाओं का मन धार्मिक–कार्यों में खूब रमेगा। किसी धार्मिक–आध्यात्मिक व्यक्ति की विशेष कृपा आप पर बरस सकती है। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हुए हैं तो आपके लिए सप्ताह के पूर्वार्ध के मुकाबले उत्तरार्ध ज्यादा शुभ रहने वाला है। इस दौरान आप समझदारी के साथ अपने पैसे का सही जगह निवेश करते हैं तो आपको उससे भविष्य में बड़ा लाभ मिल सकता है। उच्च शिक्षा के लिए प्रयासरत लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लेकर आएगा।

## कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातकों को किसी भी फैसले को लेते समय जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। रिश्ते–नाते में मिठास बनी रहे और किसी प्रकार की गलतफहमी न पैदा हो इसके लिए स्वजनों के साथ संवाद बनाए रखें।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार के सिलसिले में बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। ऐसा करते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर को मिलाकर चलें। यदि कार्यक्षेत्र पर हालात आपके अनुकूल नहीं हैं तो आप उससे बजाय भागने के उसे बेहतर बनाने का प्रयास करें। भूलकर भी आवेश में आकर नौकरी में बदलाव जैसा फैसला लेने से बचें। सप्ताह के मध्य में घरेलू समस्याओं के चलते आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा। इस दौरान आपको आपके विरोधी आप पर हावी होने तथा आपके बनते काम बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

## सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातकों को अपनी ऊर्जा, धन और समय का प्रबंधन करके चलना उचित रहेगा। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर अचानक से कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं। इस दौरान कार्य विशेष के लिए लंबी दूरी की यात्रा पर भी अचानक निकलना पड़ सकता है। यात्रा सुखद और नये संपर्कों को बढ़ाने वाली साबित होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले पूर्वार्ध का समय ज्यादा अनुकूल रहने वाला है। ऐसे में आपको अपने कारोबार से जुड़े बड़े फैसले इसी दौरान करने चाहिए। सप्ताह के मध्य में आप कुछ चीजों को लेकर खुद को असमंजस की स्थिति में पा सकते हैं। ऐसे में इस दौरान कोई बड़ा फैसला लेते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। नौकरीपेशा जातकों इस सप्ताह अपने कार्य दूसरों के भरोसे छोड़ने की बजाय स्वयं बेहतर तरीके से पूरे करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा पूर्व में की गई न सिर्फ आपकी मेहनत बेकार जा सकती है, बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों की डांट भी सुननी पड़ सकती है।

## कन्या

कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। यदि आप चाहते हैं कि आपको जीवन में मनचाही सफलता और खुशियां मिले तो आपको अपने कार्य और व्यवहार में आमूलचूल बदलाव लाना होगा और अपने शुभचिंतकों को नाराज करने से बचना होगा। इस सप्ताह आपकी किसी बात या व्यवहार से आपके अपने नाराज हो सकते हैं। वाद–विवाद बढ़ने पर वर्षों से बने रिश्ते में दरार आ सकती है। करियर–कारोबार से लेकर घर–परिवार में सब कुछ अच्छा बना रहे इसके लिए दूसरों से अपेक्षा करने करने की बजाय आपको खुद ही आगे बढ़कर प्रयास करना होगा।

यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में कनिष्ठ लोगों के साथ रुखा व्यवहार न करें और अपने वरिष्ठ लोगों के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। यदि आप व्यवसायी हैं तो शार्टकट तरीके से लाभ कमाने से बचें और कागजी काम पूरे करके रखें। यदि आप पार्टनरशिप में व्यवसाय करते हैं तो धन का लेनदेन सावधानी के साथ करें।

## तुला

तुला राशि के जातकों के लिए करियर और कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह उत्तम और रिश्ते–नाते की दृष्टि से मध्यम फलदायी रहने वाला है।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार से जुड़ा कोई बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। इस सप्ताह तुला राशि का नौकरीपेशा जातक हो या फिर व्यवसाय से जुड़ा कारोबारी, वह अपना शत प्रतिशत अपने कार्य में देता हुआ नजर आएगा।

खास बात कि उसके प्रयासों को सौभाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी और सीनियर आपके कामकाज की खुले मन से प्रशंसा करते हुए नजर आएंगे। सप्ताह के अंत तक आपको बड़ा पद अथवा अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। यदि आप लंबे समय से किसी नये कारोबार की शुरुआत करने अथवा किसी बड़ी डील को फाइनल करने के लिए प्रयासरत थे तो आपकी यह मनोकामना इस सप्ताह पूरी हो सकती है। यदि आप लंबे समय से रोजी–रोजगार के लिए प्रयासरत थे तो सप्ताह के उत्तरार्ध में आपकी यह मनोकामना पूरी हो सकती है।

## वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए है। इस सप्ताह आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शुभता–सफलता की प्राप्ति होगी। इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे। करियर–कारोबार में मनचाही प्रगति होती नजर आएगी। कार्यक्षेत्र में आपको सीनियर और जूनियर दोनों का सहयोग और समर्थन मिलेगा। व्यवसाय में अच्छा मुनाफा कमाएंगे। यदि आपके कारोबार में बीते समय से कोई अड़चन आ रही थी इस सप्ताह वह किसी व्यक्ति विशेष की मदद से दूर हो जाएगी। मार्केट में आपकी साख बढ़ेगी। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय करते हैं तो आप उसके विस्तार की योजना पर काम करेंगे। आपकी योजना को साकार रूप देने के लिए आपके शुभचिंतक और परिजन पूरी मदद करेंगे। इस संबंध में घर–परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य की सलाह लाभदायी साबित होगी। यह सप्ताह पठन–पाठन एवं शोध से जुड़े कार्यों को करने वालों के लिए अत्यधिक शुभ साबित होगा।

## धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह जीवन के नये अवसरों को लेकर आने वाला है, लेकिन उसका लाभ उठाने के लिए आपको आलस्य और आशंका को त्याग कर कठिन परिश्रम और प्रयास करना होगा। इस सप्ताह यदि आप अपने धन, समय और उर्जा का सही दिशा में उपयोग करते हैं तो आपको आशा से अधिक सफलता और लाभ मिल सकता हैं। वहीं इसकी अनदेखी करने पर बनते काम बिगड़ जाने से मन में निराशा के भाव जाग सकते हैं। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह खुले हाथ धन खर्च करने से बचना चाहिए अन्यथा सप्ताह के अंत तक उन्हें उधार मांगने की नौबत आ सकती है। व्यवसाय की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए मिश्रित फलदायी साबित होने वाला है। इस सप्ताह आपको कारोबार में लाभ तो होगा लेकिन साथ ही साथ खर्च की अधिकता भी बनी रहेगी। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह मौसमी बीमारी को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी। अपनी दिनचर्या और खानपान सही रखें अन्यथा पेट संबंधी दिक्कतें हो सकती है। परीक्षा–प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को सप्ताह के मध्य में किसी सुखद समाचार की प्राप्ति संभव है।

## मकर

मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह उतार–चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आप अपने करियर–कारोबार में आ रही अड़चनों को लेकर चिंतित रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र और कारोबार के अलावा निजी जीवन से जुड़ी समस्याएं भी आपकी बड़ी चिंता का कारण बनेंगी। हालांकि जीवन के कठिन समय में आपके शुभचिंतक एवं परिजन काफी मददगार साबित होंगे और काफी हद तक आप इन समस्याओं का समाधान खोजने में भी कामयाब होंगे। सप्ताह के मध्य में किसी भी कार्य को करते समय विशेष सावधानी बरतें। इस दौरान जल्दबाजी या असमंजस की स्थिति में लिया गया निर्णय आपके लिए हानिकारक साबित हो सकता है। इस दौरान स्वजनों के साथ बात–व्यवहार करते समय विनम्रता से पेश आएं अन्यथा लंबे समय से बने हुए रिश्तों में दरार आ सकती है। इस सप्ताह खर्च की अधिकता के चलते आपका बजट थोड़ा गड़बड़ा सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में करियर–कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है।

## कुंभ

जीवन में आने वाली छोटी–मोटी दिक्कतों को यदि नजरअंदाज कर दें तो कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभ साबित होगा। इस सप्ताह आपको आपकी मेहनत का पूरा फल प्राप्त होगा। करियर और कारोबार की दिशा में किए गये प्रयास सफल होंगे और आपके पद एवं प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी।

राजनीति से जुड़े लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आपकी झोली में कोई बड़ा पद गिर सकता है। सत्तापक्ष से जुड़े लोगों के साथ आपका मेल–मिलाप बढ़ेगा। आपके मान–सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। आप अपनी सूझबूझ से अपने विरोधियों पर काबू पाने में कामयाब होंगे। कुंभ राशि के जो जातक तकनीक के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उनके लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ साबित होगा। इसी प्रकार इलेक्ट्रानिक का कारोबार करने वालों को बड़े लाभ की प्राप्ति होगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में किसी वरिष्ठ एवं अनुभवी व्यक्ति से कार्य विशेष के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

## मीन

मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय जहां अनुकूल तो वहीं उत्तरार्ध थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। ऐसे में मीन राशि के जातकों को जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों सप्ताह की शुरुआत में ही निबटाने का प्रयास करना चाहिए। यदि आप बेरोजगार हैं तो आपको इसी दौरान पूरे मनोयोग से रोजी–रोजगार के लिए प्रयास करना चाहिए। इस दौरान किसी व्यक्ति विशेष की मदद से भूमि–भवन से जुड़े विवाद का समाधान निकल सकता है। मीन राशि के जातकों को इस सप्ताह इस बात का पूरा ख्याल रखना होगा कि उनकी बात से ही बात बनेगी और बात से ही बात बिगड़ भी सकती है। ऐसे में अपना काम निकलवाने के लिए लोगों की प्रशंसा करने में जरा भी कंजूसी न करें और सभी के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपके घर में कोई धार्मिक अथवा मांगलिक कार्यक्रम संपन्न हो सकता है। इस दौरान घरेलू महिलाओं का अधिकांश समय पूजा–पाठ में बीतेगा।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

# हर घर तिरंगा अभियान के तहत नगरी परोल स्कूल में मेगा राखी प्रतियोगिता आयोजित

## छात्रों ने देशभक्ति से लबरेज राखियाँ बनाकर जवानों को भेजा प्यार का संदेश

राज कुमार

कठुआ : शहर घर तिरंगा 2025श अभियान के तहत राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नगरी परोल में एक भव्य मेगा राखी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रधानाचार्य जतिंदर सेठी के नेतृत्व में और मुख्य शिक्षा अधिकारी कठुआ के निर्देशों पर आयोजित हुआ। प्रतियोगिता में नगरी क्लस्टर के कई स्कूलों दृ प्राथमिक, मिडिल और हाई स्कूलों के छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य शिक्षा अधिक. ारी राजीव अबरोल रहे। उन्होंने छात्रों द्वारा बनाई गई रंग-बिरंगी और देशभक्ति से जुड़ी राखियों को सराहा और बच्चों से बातचीत कर उनका उत्साह बढ़ाया।

इस प्रतियोगिता में बच्चों ने केसरिया, सफेद और हरे रंग की राखियाँ बनाईं, जिनमें अशोक चक्र को खास तौर पर सजाया गया। कुछ राखियों को ब्रह्मोस मिसाइल जैसे राष्ट्रीय प्रतीक. ं पर सजाकर देश के प्रति सम्मान को रचनात्मक रूप में पेश किया गया।

सबसे खास बात यह रही कि ये सभी राखियाँ अब देश की रक्षा करने वाले सैनिकों और पुलिस जवानों को भेजी जाएंगी। इन राखियों के साथ छात्रों का प्यार, आशीर्वाद और देश के लिए सम्मान जुड़ा हुआ है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजीव अबरोल ने स्कूल स्टाफ के साथ बैठक कर शिक्षकों को समय पालन, रिकॉर्ड अपडेट रखने, सफाई बनाए रखने और ईमानदारी से काम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि शिक्षक अपने कर्तव्यों को पूरी लगन से निभाएं और छात्रों को संस्कारों के साथ शिक्षा दें।

कार्यक्रम का सफल संचालन वरिष्ठ प्रवक्ता रवींद्र सिंह ने किया। अंत में प्रधानाचार्य जतिंदर सेठी ने सभी का धन्यवाद किया और सीईओ कठुआ का आभार जताते हुए कहा कि उनका मार्गदर्शन हमेशा प्रेरणादायक रहा है।

इस आयोजन ने बच्चों में देशभक्ति की भावना को और मजबूत किया और यह संदेश दिया कि शिक्षा सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं, बल्कि देशसेवा की भावना को भी जगाने का माध्यम है।

# गंदेरबल में पुलिस ने अवैध लकड़ी जब्त की, 4 आरोपी गिरफ्तार

सबका जम्मू कश्मीर

गंदेरबल : लकड़ी की तस्करी पर एक बड़ी कार्रवाई में, गंदेरबल में पुलिस ने अवैध लकड़ी जब्त की है और गुटलीबाग के ऊपरी इलाकों में हरे देवदार के पेड़ों की अवैध कटाई में शामिल 04 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस चौकी गुटलीबाग को वन खंड अधिकारी गुटलीबाग से एक जब्ती ज्ञापन सहित एक दस्तावेज़ प्राप्त हुआ, जिसमें बताया गया था कि 26-07-2025 को कुछ लकड़ी तस्करों ने अवैध रूप से हरे देवदार के पेड़ों को काटकर उन्हें तैयार लट्ठों में बदल दिया और मौके से भाग गए। तदनुसार, पुलिस स्टेशन गांदरबल में संबंधित धाराओं के अंतर्गत एफआईआर संख्या 119/2025 दर्ज कर जाँच शुरू कर दी गई।

एसएसपी गांदरबल श्री खलील अहमद पोसवाल-जेकेपीएस के निर्देश पर, अपराधियों का पता लगाने और उन्हें पकड़ने के लिए डीएसपी मुख्यालय गांदरबल की देखरेख में गुटलीबाग पुलिस चौकी प्रभारी के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस दल का गठन किया गया था। निरंतर प्रयासों और जांच के बाद, पुलिस ने अवैध कृत्य में शामिल सभी 04 आरोपियों को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया।

उनकी पहचान मोहम्मद अल्ताफ खान पुत्र काजी रहमान खान निवासी बैला वुसन, सिराज-उद- दीन अहमद खान पुत्र गुलाम कादिर खान निवासी बैला वुसन, रियाज अहमद खान पुत्र स्नोबर अहमद खान निवासी बैला वुसन और जाविद अहमद खान पुत्र काजी रहमान खान निवासी बैला वुसन के रूप में हुई है।

# उत्कृष्ट कार्य के लिए सूचना सहायक गुरप्रीत सिंह को उपायुक्त कठुआ ने दिया प्रशंसा पत्र

## जनसंपर्क और सूचना प्रसारण में निभाई अहम भूमिका, पारदर्शिता बढ़ाने में सराहनीय योगदान

राज कुमार

कठुआ : जिला प्रशासन कठुआ में तैनात सूचना सहायक अधिकारी गुरप्रीत सिंह को उनके बेहतरीन काम के लिए उपायुक्त डॉ. राकेश मिन्हास (आईएएस) की ओर से प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह पत्र गुरप्रीत सिंह की मेहनत, ईमानदारी और सूचना तंत्र को मजबूत बनाने में दिए गए योगदान को देखते हुए दिया गया।

प्रशंसा पत्र में उपायुक्त ने लिखा है कि गुरप्रीत सिंह ने समय पर और सही जानकारी जनता तक पहुंचाकर प्रशासन की छवि को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाई है। उनकी कार्यशैली, अनुशासन और पेशेवर रवैया सराहनीय है। उन्होंने हर जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और लगन से निभाया है।

उपायुक्त ने यह भी कहा कि गुरप्रीत सिंह की मेहनत से प्रशासन और जनता के बीच संवाद बेहतर हुआ है और पारदर्शिता को बढ़ावा मिला है। उनकी सेवाएं न केवल प्रशासन के लिए बल्कि आम लोगों के लिए भी प्रेरणादायक हैं।

अंत में उपायुक्त ने उनकी सराहना करते हुए कहा कि वे भविष्य में भी इसी तरह ईमानदारी और जोश के साथ कार्य करते रहें। यह प्रशंसा पत्र जिले के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए भी एक प्रेरणा है।

# Helpline

| पुलिस स्टेशन | |
|---|---|
| बाग-ए-बहू | 2459777 |
| बख्शी नगर | 2580102 |
| बस स्टैंड | 2575151 |
| शहर | 2543688 |
| गांधी नगर | 2430528 |
| गंग्याल | 2482019 |
| नौबाद | 2571332 |
| पक्का डांगा | 2548610 |
| रेलवे स्टेशन | 2472870 |
| सैनिक कॉलोनी | 2462212 |
| सतवारी | 2430364 |
| चन्नी हिम्मत | 2465164 |
| ट्रांसपोर्ट नगर | 2475444 |
| त्रिकुटा नगर | 2475133 |
| गांधी नगर | 2459660 |
| एसएसपी शहर | 2561578 |
| एसपी शहर उत्तर | 2547038 |
| एसपी दक्षिण | 2433778 |
| **सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएँ** | |
| इंडियन एयर लाइन्स | |
| शहर कार्यालय | 2542735 |
| एयर पोर्ट | 2430449 |
| जेट एयर वेज़ | 2453999 |
| सिटी ऑफिस | 2573399 |
| **रेलवे** | |
| रेलवे पूछताछ | 131, 132, 2476407 |
| बुकिंग | 2470318 |
| आरक्षण | 2470315 |

| पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग स्टेशन | |
|---|---|
| बख्शी नगर | 2543557 |
| गांधी नगर | 2430786 |
| कंपनी बाग | 2542582 |
| नया प्लॉट | 2573429 |
| पंजतीर्थी | 2547537 |
| **दूरसंचार विभाग** | |
| डायरेक्टरी पूछताछ | 197 |
| फॉल्ट रिपेयर | 198 |
| ट्रंक बुकिंग | 180 |
| बिलिंग शिकायत | 2543896 |
| **जम्मू नगर पालिका** | |
| जं. लाइन्स | 2578503 |
| प्रशासन अधिकारी | 2542192 |
| स्वास्थ्य अधिकारी | 2547440 |
| **डाक सेवाएँ** | |
| मुख्य डाकघर शहर | 2543606 |
| गाँधी नगर | 2435863 |
| **अग्निशमन सेवाएँ** | |
| नियंत्रण कक्ष | 101,132, 2476407 |
| शहर | 2544263 |
| गाँधी नगर | 2457705 |
| नहर | 2554064 |
| गंग्याल | 2480026 |
| **रसोई गैस डीलर** | |
| चिनाब गैस | 2547633 |
| गुलमौर गैस | 2430835 |
| जैकफेड | 2548297 |
| एचपी गैस | 2578456 |
| शिवांगी गैस | 2577020 |
| तवी गैस | 2548455 |
| **पावर हाउस** | |
| गाँधी नगर | 2430180 |
| नहर रोड | 2554147 |
| जानीपुर | 2533828 |
| नानक नगर | 2430776 |

| | |
|---|---|
| परेड | 2542289 |
| सतवारी कैंट | 2452813 |
| **अस्पताल** | |
| जीएमसी अस्पताल | 2584290 |
| एस.एम.जी.एस. अस्पताल | 2547635 |
| सी.डी. अस्पताल | 2577064 |
| डेंटल अस्पताल | 2544670 |
| गांधी नगर अस्पताल | 2430041 |
| सरवाल अस्पताल | 2579402 |
| जी.बी. पंत कैंट अस्पताल | 2433500 |
| आयुर्वेदिक कॉलेज | 2543661 |
| सी.आर.पी. अस्पताल | 2591105 |
| आचार्य श्री चंदर | 2662536 |
| मानसिक अस्पताल | 2577444 |
| स्वामी विवेकानंद | 2547418 |
| ब्लड बैंक | 2547637 |
| एम्बुलेंस | 2584225, 2575364 |
| एम्बुलेंस (रेड क्रॉस) | 2543739 |
| **नर्सिंग होम** | |
| मददन अस्पताल | 2456727 |
| मेडिकेयर | 2435070 |
| त्रिवेणी नर्सिंग होम | 2452664 |
| सुविधा नर्सिंग होम | 2555965 |
| अल. फिरदौस नर्सिंग होम | 2545050 |
| आस्था नर्सिंग होम | 2576707 |
| बी एन चौरिटेबल ट्रस्ट | 2505310 |
| चोपड़ा नर्सिंग होम | 2573580 |
| हरबंस सिंह मेम हॉस्पिटल | 2541952 |
| जीवन ज्योति | 2576985 |
| युद्धवीर नर्सिंग होम | 2547821 |
| मीडियाएड नर्सिंग होम | 2466744 |
| सीता नर्सिंग होम | 2435007 |
| विभूति नर्सिंग होम | 2547969 |
| रामेश्वर नर्सिंग होम | 2580601 |
| बी एन चेरिटेबल | 2555631 |
| महर्षि दयानंद | 2545225 |

कहानी

# मेरे बचपन का संस्मरण : मेरे गजरे

पुनीत गोयल

बात लगभग 42 साल पुरानी है । मैं सरकारी कन्या स्कूल में छठी –सातवीं कक्षा में पढ़ती थी। तब स्कूल के मायने ही अलग थे। अध्यापकगण का डर भी था और आदर भी। उन दिनों की एक अविस्मरणीय याद सांझी करती हूं। गर्मी की छुट्टियों में मेरे बुआ जी हमारे पास रहने आए थे। वो मेरे लिए लाल रंग के गजरे (कंगन) लाए थे। मैं बहुत खुश थी उनसे इतने सुन्दर गजरे लेकर।

पहली जुलाई को गर्मी की छुट्टियां खत्म हुई और मैं खुशी खुशी तैयार होकर स्कूल गई। मेरी नन्ही सुकोमल सी कलाईयों में बुआ जी के दिए लाल गजरे थे। शायद उन गजरों का ही चाव इतना था कि दौड़ दौड़ कर स्कूल पहुंच गई। पहला दिन प्रार्थना सभा में पी टी वाले मैडम के द्वारा बच्चों की वर्दी, नाखुन, बालों की चोटियों के रिबनों का निरीक्षण होने लगा। मैं खुश थी कि मेरी मां ने मुझे पूरी निपुणता से तैयार कर के स्कूल भेजा था। किंतु पी टी मैडम ने मेरे पास आकर जब देखा तो आकस्मात ही उनका ध्यान मेरी कलाइयों में पहने छोटे छोटे लाल गजरों पर पड़ गया। उन्होने मेरी साफ सुथरी वर्दी, कटे हुए नाखुन, चोटियों के रिबन छोड़कर उन गजरों के लिए डांटा और गजरे उतरवा लिए। मेरा मासूम हृदय जोर जोर से रोने लगा, अभी तो मैंने जी भर के उन गजरों चाव भी पूरा न किया था। मेरा स्कूल में आने का उल्लास ही मानो कहीं खो सा गया। मेरी आंखे भर आईं किन्तु मैं कुछ बोल ही न सकी। मैडम के हाथ में बहुत देर और दूर तक मैं बुआ जी के दिए गजरे अश्रु भरी आंखों से देखती रही। प्रार्थना के बाद बच्चों की पंक्तियां कक्षाओं की ओर बढ़ चलीं। कक्षा में जाकर भी मैं बहुत उदास थी। तभी मैंने देखा पी टी वाले मैडम कक्षा में दाखिल हुए। मुझे लगा मेरे गजरे मुझे वापिस मिल जाएंगे। किंतु उन्होने कक्षा में रखी एक लकड़ी की अलमारी का ताला खोला और अपने कुछ सामान के साथ मेरे गजरे भी रख दिए। मेरा दिल धक से होकर रह गया। उस दिन और उसके बाद हर दिन मैं उस अलमारी को तरसी और उदास नज़रों से देखती, मानो मेरे मन का उल्लास उस अलमारी में बंद कर दिया गया था। साल बीत गया, परीक्षा के बाद नयी कक्षा का कमरा बदल गया। किंतु समय मिलते ही दिन में एक बार मैं पुरानी कक्षा के कमरे में जरुर जाती जहां अलमारी में मेरे गजरे ताले में बंद थे। वर्ष बीते मैं स्कूल से दसवीं की परीक्षा पास कर के अगली पढ़ाई के लिए कॉलेज में दाखिल हो गई। मैं पढ़ लिख कर अध्यापिका बन गई। किंतु आज भी मैं उन गजरों और उस अलमारी को भूल नहीं सकी जहां न जाने कब तक वो गजरे पड़े पड़े कचरा बन गए होंगे। मेरे बाल मन का दर्द अनकहा अनसमझा ही रहा। एक अध्यापिका होने के नाते मैं अपने छात्रों की मासूम खुशियों का ख्याल रखने की पूरी कोशिश करती हूं ताकि किसी की खुशियां और उल्लास दबे न रह जाएं।

यादों के पन्नों से ....
अंजु व रत्ती
बाल साहित्यकार अध्यापिका
स्कूल ऑफ एमीनेंस पुरहीरां
होशियारपुर

# जम्मू से अमरनाथ यात्रा शुक्रवार को दूसरे दिन भी स्थगित

जम्मू : खराब मौसम के कारण शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन भी अमरनाथ यात्रा स्थगित रही।

उन्होंने बताया कि तीर्थयात्रियों के किसी भी नए जत्थे को दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर की ओर जाने की अनुमति नहीं दी गई।

यात्रा के लिए बाहर से आए तीर्थयात्रियों को मौसम की स्थिति की समीक्षा के बाद पहलगाम और बालटाल आधार शिविरों की ओर आगे की यात्रा के लिए उच्च सुरक्षा वाले भगवती नगर आधार शि. विर में ठहराया गया है।

घाटी से 3 जुलाई को शुरू हुई 38 दिवसीय तीर्थयात्रा के बाद से 4 लाख से अधिक तीर्थयात्री 3,880 मीटर ऊंचे गुफा मंदिर में भगवान शिव के बर्फ से बने शिवलिंग के दर्शन कर चुके हैं।

यात्रा सूचना अधिकारी ने कहा, ष्जम्मू से अमरनाथ गुफा मंदिर की यात्रा आज स्थगित कर दी गई। एहतियाती उपायों के अलावा खराब मौसम को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। जम्मू से अमरनाथ की ओर किसी नए जत्थे को जाने की अनुमति नहीं दी गई।ष

यह दूसरी बार है जब यात्रा जम्मू से स्थगित की गई है। 17 जुलाई को कश्मीर के दोनों आधार शिविरों में भारी बारिश के कारण यात्रा रद्द कर दी गई थी।

2 जुलाई को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाने के बाद से अब तक कुल 1,44,124 तीर्थयात्री जम्मू आधार शिविर से घाटी के लिए रवाना हो चुके हैं।

पिछले वर्ष 5.10 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने गुफा मंदिर में पूजा–अर्चना की थी, जहां प्राकृतिक रूप से निर्मित बर्फ का शिव. लिंग स्थित है।

यह तीर्थयात्रा 9 अगस्त को रक्षाबंधन के त्यौहार के साथ समाप्त होगी।

# कबीर नगर में मॉडल आंगनवाड़ी केंद्र का उद्घाटन, कठुआ में बाल देखभाल सेवाओं को नई दिशा

राज कुमार

कठुआ : जिला कठुआ में बाल संरक्षण और मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत जिला प्रशासन ने कबीर नगर में एक अत्याधुनिक मॉडल आंगनवाड़ी केंद्र समर्पित किया। इस केंद्र का उद्घाटन विधायक कठुआ डॉ. भरत भूषण और उपायुक्त डॉ. राकेश मिंहास ने संयुक्त रूप से किया।

नव स्थापित केंद्र को पूरी तरह बच्चों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया गया है। इसमें सुरक्षित और आकर्षक ढांचा, आयु–उपयुक्त फर्नीचर, खेल सामग्री, आधुनिक शिक्षण उपकरण, स्वच्छ शौचालय, बच्चों की ऊंचाई के अनुरूप हैंडवॉश यूनिट, सुसज्जित रसोई और हवादार भंडारण कक्ष जैसी सुविधाएं शामिल हैं। पोषण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक छोटा किचन गार्डन भी तैयार किया गया है। यह मॉडल केंद्र तीन आंगनवाड़ी केंद्रों की सेवाओं को मिलाकर तैयार किया गया है, जो लगभग 250 लाभार्थियोंकृबच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओंकृको सेवाएं प्रदान करेगा। केंद्र का उद्देश्य शुरुआती शिक्षा, बच्चों के समग्र विकास और मातृत्व देखभाल के लिए एक सुरक्षित व सहयोगी वातावरण उपलब्ध कराना है।

इस अवसर पर विधायक डॉ. भरत भूषण ने कहा कि यह केंद्र सरकारी सेवाओं को निजी संस्थानों जैसी आधुनिकता प्रदान कर रहा है, जिससे आमजन का विश्वास और भागीदारी दोनों बढ़ेगी। उन्होंने स्थानीय लोगों से केंद्र की सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की।

उपायुक्त डॉ. राकेश मिंहास ने कहा कि शुरुआती बचपन में निवेश करना भविष्य की नींव मजबूत करने जैसा है। उन्होंने कहा कि ऐसे केंद्र बच्चों के साथ–साथ माताओं को भी सशक्त बनाते हैं। उन्होंने केंद्र के निर्माण में सहयोग देने के लिए कंधारी ग्रुप का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस कार्य को कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के तहत समर्थन दिया।

उन्होंने यह भी जानकारी दी कि जिले में ऐसे और कई मॉडल आंगनवाड़ी केंद्रों का निर्माण किया जा रहा है, जो भविष्य में अन्य क्षेत्रों के लिए उदाहरण बनेंगे। कार्यक्रम में सीडीपीओ हकीकत सिंह, आईसीडीएस स्टाफ, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

# महिला सशक्तिकरण और युवा प्रेरणा पर व्याख्यान आयोजित

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भारतीय सेना ने 28 जुलाई 2025 को राजौरी के हट्टा सेरी में महिला सशक्तिकरण और युवा प्रेरणा पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में पेडा के 10 सैन्यकर्मियों के साथ लगभग 50 महिलाओं, बच्चों और स्थानीय निवासियों ने सक्रिय भागीदारी की।

इस पहल का उद्देश्य लैंगिक समानता के बारे में जागरूकता बढ़ाना, महिलाओं में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना और युवाओं को एक उद्देश्यपूर्ण और अनुशासित जीवन जीने के लिए प्रेरित करना था।

# जम्मू-कश्मीर सरकार ने ड्यूटी के दौरान निजी प्रैक्टिस और अनैतिक रेफरल करने वाले छह डॉक्टरों पर प्रतिबंध लगाया

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू और कश्मीर सरकार ने सोमवार को आधिकारिक ड्यूटी के दौरान निजी प्रैक्टिस में कथित रूप से शामिल होने और निजी सूचीबद्ध स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं (ईएचसीपी) को अनैतिक रेफरल देने के लिए छह डॉक्टरों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया।

स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा जारी सरकारी आदेश के अनुसार, यह कार्रवाई आयुष्मान भारत – पीएमजेएवाई/एसईएचएटी योजना के तहत राज्य स्वास्थ्य एजेंसी द्वारा किए गए मूल्यांकन के बाद की गई है, जिसमें पता चला है कि ये डॉक्टर मानदंडों का उल्लंघन कर रहे थे और योजना के उद्देश्यों को कमजोर कर रहे थे।

ड्यूटी के दौरान निजी प्रैक्टिस में शामिल पाए गए डॉक्टरों में डॉ. बिलाल अहमद बशीर (कंसल्टेंट सर्जन, जीएमसी अनंतनाग) के 312 मामले, डॉ. इशाक (मेडिकल ऑफिसर, डीएच पुलवामा) के 170 मामले और डॉ. यूनिस कमाल (एसोसिएट प्रोफेसर ऑर्थोपेडिक्स, जीएमसी अनंतनाग) के 185 मामले शामिल हैं।

इसके अलावा, तीन डॉक्टर निजी ईएचसीपी को अनैतिक रेफरल देने में संलिप्त पाए गएरू डॉ. विकास गुप्ता (चिकित्सा अधिकारी, सीएचसी हीरानगर) पर 19 मामले, डॉ. मंजू कुमारी (चिकित्सा अधिकारी, ईएच विजयपुर) पर 18 मामले, और डॉ. राज कुमार भगत (चिकित्सा अधिकारी, डीएच सांबा) पर 12 मामले।

# दूसरी चिनाब ओपन जेएंडके यूटी ताइक्वांडो चौंपियनशिप 2025 शुरू हुई

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : द्वितीय चिनाब ओपन जम्मू–कश्मीर यूटी ताइक्वांडो चौंपियनशिप 2025 का उद्घाटन समारोह आज डोडा के इंडोर स्पोर्ट्स हॉल में बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। यह चौंपियनशिप 27 से 29 जुलाई 2025 तक आयोजित की जा रही है, जिसमें केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर के सभी जिलों के लगभग 400 खिलाड़ी भाग लेंगे। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अनिल कुमार (अतिरिक्त उपायुक्त, डोडा) उपस्थित रहे, जिन्होंने खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और खेल भावना बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री तारिक काज़ी (जिला समाज कल्याण अधिकारी, डोडा) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि श्री रिज़वान वानी (क्षेत्रीय प्रबंधक, इकरा इंटरनेशनल स्कूल, डोडा) और डॉ. फारूक रनयाल (नेत्र विशेषज्ञ) विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने सभी प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएँ दीं। इस चौंपियनशिप का आयोजन जम्मू–कश्मीर ताइक्वांडो एसोसिएशन (जेकेटीए) और जम्मू–कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल (जेकेएससी) के तत्वावधान में जिला डोडा के ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा किया गया है, जिसमें गेमऑन फाउंडेशन का बहुमूल्य सहयोग भी शामिल है, जिसने पूरे आयोजन के दौरान स्वयंसेवकों और तकनीकी सहायता प्रदान की।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

# हर घर तिरंगा अभियान को लेकर भाजपा कार्यालय कठुआ में कार्यशाला आयोजित

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ, भारतीय जनता पार्टी की ओर से 'हर घर तिरंगा' अभियान को लेकर मंगलवार को भाजपा जिला कार्यालय कठुआ में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री गोपाल महाजन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए गोपाल महाजन ने कहा कि ष्हर घर तिरंगाष अभियान केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि यह देशभक्ति की भावना को जन–जन तक पहुंचाने का एक माध्यम है।

उन्होंने कहा कि यह अभियान लोगों में राष्ट्रीय एकता, गर्व और सम्मान की भावना को और अधिक प्रबल करेगा।

महाजन ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अभियान को जन आंदोलन बनाएं और सुनिश्चित करें कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर पर तिरंगा लहराए।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष उपदेश अन्दोत्रा, कठुआ विधायक डॉ. भारत भूषण तथा जिले के वरिष्ठ कार्यकर्ता भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यशाला में 'हर घर तिरंगा' की रणनीति, प्रचार–प्रसार और आम जनता की भागीदारी सुनिश्चित करने पर विस्तृत चर्चा की गई।

# 'एक निशान, एक विधान, एक संविधान' के 6 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा कठुआ ने फहराया तिरंगा

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू–कश्मीर में 'एक निशान, एक विधान, एक संविधान' के सिद्धांत को साकार करने वाले ऐतिहासिक निर्णय के छह वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी की कठुआ इकाई ने सोमवार को मुखर्जी चौक में तिरंगा फहराया।

इस अवसर पर कठुआ विधायक डॉ. भारत भूषण विशेष रूप से उपस्थित रहे।

उन्होंने तिरंगा फहराने के बाद अपने संबोधन में कहा कि 5 अगस्त 2019 का दिन जम्मू–कश्मीर के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय न केवल डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान को सच्ची श्रद्धांजलि है, बल्कि देश की अखंडता और समानता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम भी है।

कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। सभी ने भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारा. ें के साथ इस दिन को देशभक्ति और गर्व के साथ मनाया।

नेताओं ने इस अवसर पर 'एक देश, एक विधान' के विचार को जन–जन तक पहुंचाने और राष्ट्रीय एकता को और मजबूत करने का संकल्प दोहराया।

# राजेश शर्मा ने संभाला कठुआ के नए डीसी का कार्यभार, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ : गुरुवार को राजेश शर्मा ने कठुआ के नए जिला आयुक्त (डीसी) के रूप में कार्यभार संभाला। जिला सचिवालय पहुंचने पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता एडवोकेट सुशील गुप्ता व सामाजिक कार्यकर्ता राकेश कुमार शर्मा ने जिला आयुक्त से मुलाक. ात कर गुलदस्ता भेंट किया।

एडवोकेट सुशील गुप्ता ने नए डीसी से बातचीत के दौरान कठुआ में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों पर चर्चा की और उन्हें शीघ्र पूरा करने की अपील की, ताकि जिले का चौतरफा विकास सुनिश्चित हो सके।

डीसी राजेश शर्मा ने आश्वासन दिया कि जिले में विकास कार्यों को और तेज किया जाएगा और सभी योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा।

# नगरी में सावन मास पर शिव पुराण कथा का आयोजन, श्रद्धालुओं ने किया पुण्य अर्जित

राज कुमार

नगरी, : कस्बा नगरी के वार्ड नंबर 12 में बाबा बसंत गिरी जी महाराज के स्थान पर सावन मास के अवसर पर पिछले 27 दिनों से लगातार शिव पुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन में हर रात 9 बजे से 12 बजे तक बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर भगवान शिव की महिमा का श्रवण कर रहे हैं।

यह कथा प्रसिद्ध कथा वाचक पंडित जोगिंदर शर्मा द्वारा सुनाई जा रही है। उन्होंने कथा के दौरान कहा कि जो भी श्रद्धा भाव से सावन मास में शिव कथा सुनते हैं, उनका जीवन सुखमय बनता है और वे जन्म–जन्मांतर तक के दुखों से मुक्त हो जाते हैं।

इस आयोजन को सफल बनाने में सेवादारों की भी अहम भूमिका रही। खास तौर पर सेवादार कृष्ण उर्फ फिकरू, अर्जुन कुमार बिल्लू शर्मा (लखनऊ), बाबा जोगिंदर शाह, बलदेव, राम लाल, लाल राम और अन्य सेवादारों ने सेवा कार्य में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।

आयोजन स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था और श्रद्धालुआ. ें के लिए बैठने, जलपान व प्रसाद वितरण की अच्छी व्यवस्था की गई थी। कथा के दौरान पूरे वातावरण में भक्ति और श्रद्धा की भावना देखने को मिली।

इस मौके पर महिलाओं ने भी भजन–कीर्तन और सत्संग में हिस्सा लिया, जिससे माहौल और भी आध्यात्मिक हो गया। पंडित जोगिंदर शर्मा ने कहा कि भगवान सत्संग और भक्ति से बहुत प्रसन्न होते हैं। अगर हम थोड़ी देर भी ईश्वर को याद करें, तो वे हमारी हर प्रार्थना सुनते हैं। इसलिए कलयुग में अपने जीवन को सुधारने के लिए रोज सत्संग और प्रभु का नाम जपना चाहिए।

यह आयोजन पूरे क्षेत्र में आस्था और अध्यात्म की मिसाल बन गया है, और श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या यह साबित कर रही है कि भगवान शिव के प्रति लोगों की भक्ति दिन–प्रतिदिन गहरी होती जा रही है।

# हीरानगर कॉलेज में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण, देशभक्ति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

सनी शर्मा

हीरानगर : स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में गवर्नमेंट जीएलडीएम डिग्री कॉलेज, हीरानगर में ष्एक पेड़ मां के नामष अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम कॉलेज के ईको क्लब और एनएसएस यूनिट के संयुक्त प्रयास से किया गया।

कार्यक्रम में 50 से ज्यादा विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। छात्रों ने अर्जुन, बेलपत्र, अमरूद, हरड़, आंवला और नीम जैसे फलदार व औषधीय पौधों के पौधे लगाए। इस मौके पर सभी को पर्यावरण बचाने की शपथ भी दिलाई गई, जिसमें पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया गया।

यह कार्यक्रम कॉलेज की प्राचार्या डॉ. प्रज्ञा खन्ना के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का संचालन प्रो. नीरू शर्मा (संयोजक, ईको क्लब) और प्रो. शापिया शमीम (एनएसएस प्रभारी) ने किया।

पौधारोपण में कॉलेज के कई शिक्षक भी शामिल हुए जिनमें डॉ. राजेश शर्मा, प्रो. राकेश शर्मा, बलबीर सिंह, डॉ. विजय कुमार, प्रो. सुरिंदर कुमार, प्रो. नम्रता, प्रो. गंगा शर्मा, डॉ. रजनी, प्रो. बलविंदर, डॉ. रिधम, सुरेश शर्मा, राजकुमार, कुलदीप और विजय शामिल रहे।

# डॉ. अजय सिंगला की पुस्तक 'कवितामय राम कथा' का भव्य विमोचन एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन

## साहित्य कलश पटियाला द्वारा आयोजित हुआ साहित्यिक समागम

राम सिंह

पटियाला/पंजाब, साहित्य कलश पब्लिकेशन एवं पत्रिका द्वारा मासिक काव्य गोष्ठी एवं पुस्तक विमोचन कार्यक्रम का आयोजन जी.के. इंस्टिट्यूट, पटियाला के प्रांगण में किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. अजय सिंगला की पुस्तक 'कवितामय राम कथा' का भव्य विमोचन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरोमणि संस्कृत साहित्यकार डॉ. महेश गौतम ने शिरकत की, जबकि विशिष्ट अतिथियों में अलका अरोड़ा, पवन गोयल एवं प्रिंसिपल मंजू उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलन और माँ सरस्वती को नमन कर की गई। मंच का संचालन बजिंदर ठाकुर ने किया।

इस अवसर पर 'कवितामय राम कथा' पुस्तक का विमोचन करते हुए डॉ. महेश गौतम ने डॉ. अजय सिंगला को बधाई दी और कहा कि रामकथा जैसे मंगलकारी विषय पर लेखन समाज के उत्थान हेतु आवश्यक है। उन्होंने इसे एक आत्मिक भक्ति भाव से ओतप्रोत रचना बताया। इसके पश्चात मनु वैश्य एवं दिनेश सूद ने पुस्तक पर समीक्षात्मक विचार प्रस्तुत किए। मनु वैश्य ने कहा कि पुस्तक का प्रत्येक शब्द पाठकों के हृदय को छूता है और यह हर पुस्तकालय की शोभा बननी चाहिए। दिनेश सूद ने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि इसमें तुलसीदास जैसी भावना झलकती है।

पुस्तक की लेखन यात्रा पर प्रकाश डालते हुए अलका अरोड़ा ने इसके निर्माण से प्रकाशन तक की कहानी साझा की। डॉ. मोनिका सिंगला ने विमोचन में सम्मिलित सभी अतिथियों का धन्यवाद व्यक्त किया।

इस अवसर पर मंचासीन मंजू मैम एवं पवन गोयल ने साहित्य कलश द्वारा साहित्य के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। डॉ. अजय सिंगला ने पुस्तक लेखन से जुड़ा अपना अनुभव साझा किया।

गोष्ठी में देशभर से आए करीब 40 साहित्यकारों ने अपनी काव्य प्रस्तुतियों से वातावरण को काव्यमय बना दिया। इनमें वरिंदर कौर, पुनीत गोयल, खुशप्रीत, अमनदीप सिंह, वीणा सूद, शशि सूद, कुलविंदर कुमार, कृष्ण धीमान, इन्दर पॉल सिंह, विजय कुमार, सतीश विद्रोही, हरदीप सभरवाल, त्रिलोक सिंह ढिल्लों, श्रवण वर्मा, संजय दर्दी, डॉ. जयदीप, अनुरीत भट्टी, डॉ. अनिशा अंगिरा अंगरा (अमृतसर), बजिंदर ठाकुर, सागर सूद, संजय, हरिदत्त हबीब, परविंदर शोख़, रितु रानी, राजेंद्र सिंह, गुरप्रीत ढिल्लों और राजेश कोटिआ प्रमुख रूप से शामिल रहे। अंत में साहित्य कलश के संस्थापक सागर सूद ने सभी प्रतिभागियों एवं अतिथियों का आभार जताया और अपनी सुंदर ग़ज़ल से समापन किया। कार्यक्रम में साहित्य कलश परिवार के सदस्यों का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया।

# जेएंडके बैंक की मजबूत सुरक्षा प्रणाली ने पहलगाम के बाद सभी साइबर हमलों को विफल कर दिया : सीईओ

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू और कश्मीर बैंक की वेबसाइट पर पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान से कई साइबर हमले हुए, लेकिन एक मजबूत सुरक्षा प्रणाली ने यह सुनिश्चित किया कि ऐसे सभी प्रयास विफल कर दिए गए, सोमवार को एमडी और सीईओ अमिताव चटर्जी ने कहा।

समाचार एजेंसी के साथ एक विशेष साक्षात्कार में, चटर्जी ने कहा कि पहलगाम हमले के एक दिन के भीतर पड़ोसी देशों और उसके बाहर से साइबर हमले शुरू किए गए थे, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, ज्यादातर पर्यटक।

"(अप्रैल) 23 के बाद से, इस बैंक द्वारा निवारक कदम उठाए गए थे। (साइबर) हमले सभी तरफ से थे, चाहे पड़ोसी देश हों या उसके बाहर। लेकिन हम अपने पास मौजूद मजबूत साइबर सुरक्षा प्रणाली की वजह से किसी भी एप्लिकेशन में किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने में कामयाब रहे हैं, "चटर्जी ने कहा।

वित्तीय संस्थान के प्रमुख ने कहा कि साइबर सुरक्षा प्रणाली इतनी मजबूत है

उन्होंने कहा, ष्हमारे पास उस स्तर की साइबर सुरक्षा है। अब, केंद्र शासित प्रदेश सरकार भी इसे मानती है, और हमारे साइबर सुरक्षा अधिकारी को केंद्र शासित प्रदेश सरकार ने उन्हें निर्देश देने के लिए सलाहकार के रूप में नियुक्त किया है।ष

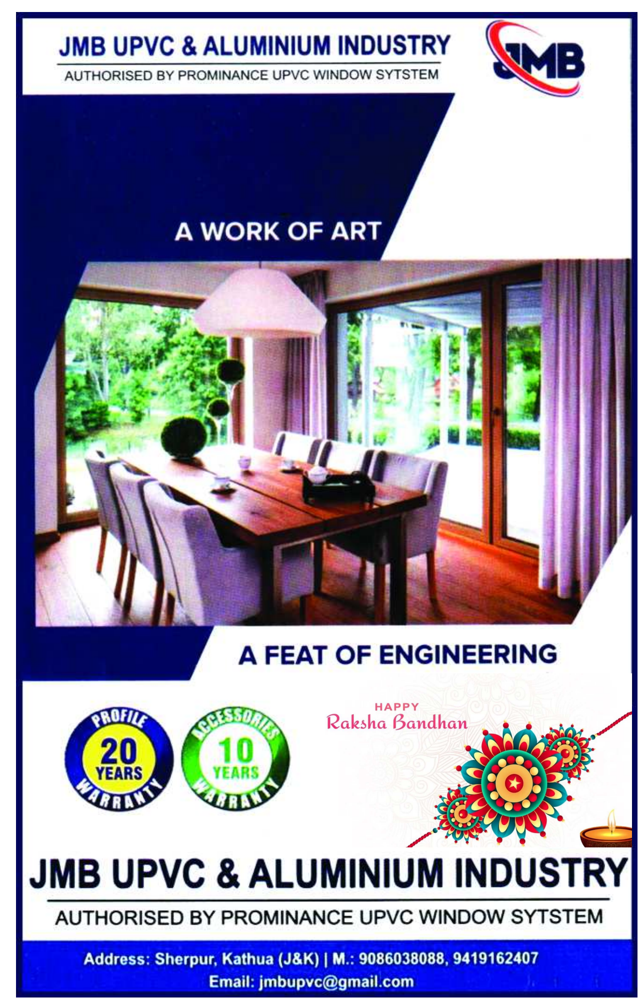


# दिल्ली सम्मेलन में कश्मीरियों के लोकतांत्रिक अधिकारों की बहाली की मांग

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : मंगलवार को जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35–ए हटाए जाने की छठी बरसी के अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित एक सम्मेलन में वक्ताओं ने केंद्र सरकार पर कश्मीर के लोगों के साथ औपनिवेशिक व्यवहार करने का आरोप लगाया। यह सम्मेलन यूनाइटेड पीस अलायंस और सोशलिस्ट पार्टी (इंडिया) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि अनुच्छेद 370 और 35–ए की समाप्ति न सिर्फ जम्मू–कश्मीर के लोगों की इच्छाओं के खिलाफ थी, बल्कि इससे जुड़े संवैधानिक और कानूनी पहलुओं की भी अनदेखी की गई। उन्होंने कहा कि देश के कई वरिष्ठ विधि विशेषज्ञों और पूर्व न्यायाधीशों ने भी सुप्रीम कोर्ट द्वारा सरकार के फैसले को वैध ठहराए जाने पर आपत्ति जताई थी।

वक्ताओं ने ष्ऑपरेशन सिंदूरष के बाद की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि इस दौरान कश्मीर में दो हजार से अधिक लोगों, विशेष रूप से युवाओं को बिना किसी कारण के हिरासत में लिया गया। उन्होंने कहा कि कश्मीर के लोगा. को लगातार पीड़ा और असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है।

सम्मेलन में भारत और पाकिस्तान के बीच वार्ता प्रक्रिया को तुरंत बहाल करने की अपील की गई ताकि कश्मीर सहित सभी लंबित मुद्दों का शांतिपूर्ण समाधान निकाला जा सके। वक्ताओं ने कहा कि पिछले 75 वर्षों से कश्मीरी जनता संघर्ष और पीड़ा झेल रही है और अब समय आ गया है कि इस मुद्दे का स्थायी और न्यायसंगत समाधान खोजा जाए।

सम्मेलन में कई प्रमुख हस्तियों ने हिस्सा लिया, जिनमें सांसद मनोज झा, पूर्व सांसद मोहम्मद अदीब, पूर्व योजना आयोग सदस्य सैयदा हमीद, एएनसी के उपाध्यक्ष मुजफ्फर शाह, ओपी शाह, शशि शेखर सिंह, रीटा मांचंदा, मुन्तजिर मेहदी, डॉ. संदीप पांडे, दया सिंह, आईडी खजूरिया, वरिष्ठ नेता नरेंद्र सिंह खालसा, विश्वात्मा, जनजातीय कार्यकर्ता तालिब हुसैन, सैयद ताहसीन अहमद, शहनवाज मीर, रुमान मेच्ची, जलील राठौर, एडवोकेट दिलशाद कादरी, तनवीर हुसैन सहित कई अन्य लोग शामिल रहे।

## NOTICE

I, Pawan Kumar S/o Sh. Chhaju Ram, resident of Ward No. 2, Pandori Pandori, Tehsil Nagri Parole, District Kathua, Jammu & Kashmir – 184151, hereby inform the general public and the concerned authorities that I am applying for permission to open a Fertilizer Sale Centre at my shop located at the above-mentioned address. I solemnly declare that: 1. I am a permanent resident of the Union Territory of Jammu and Kashmir. 2. I am currently unemployed and aim to start this centre for self-employment. 3. I undertake to fully comply with the provisions of the Fertilizer (Control) Order, 1985. 4. I shall follow all rules and regulations issued by the concerned department from time to time. Any objections regarding the establishment of the said fertilizer sale centre may be submitted in writing to the concerned authorities within 07 days from the date of publication of this notice.

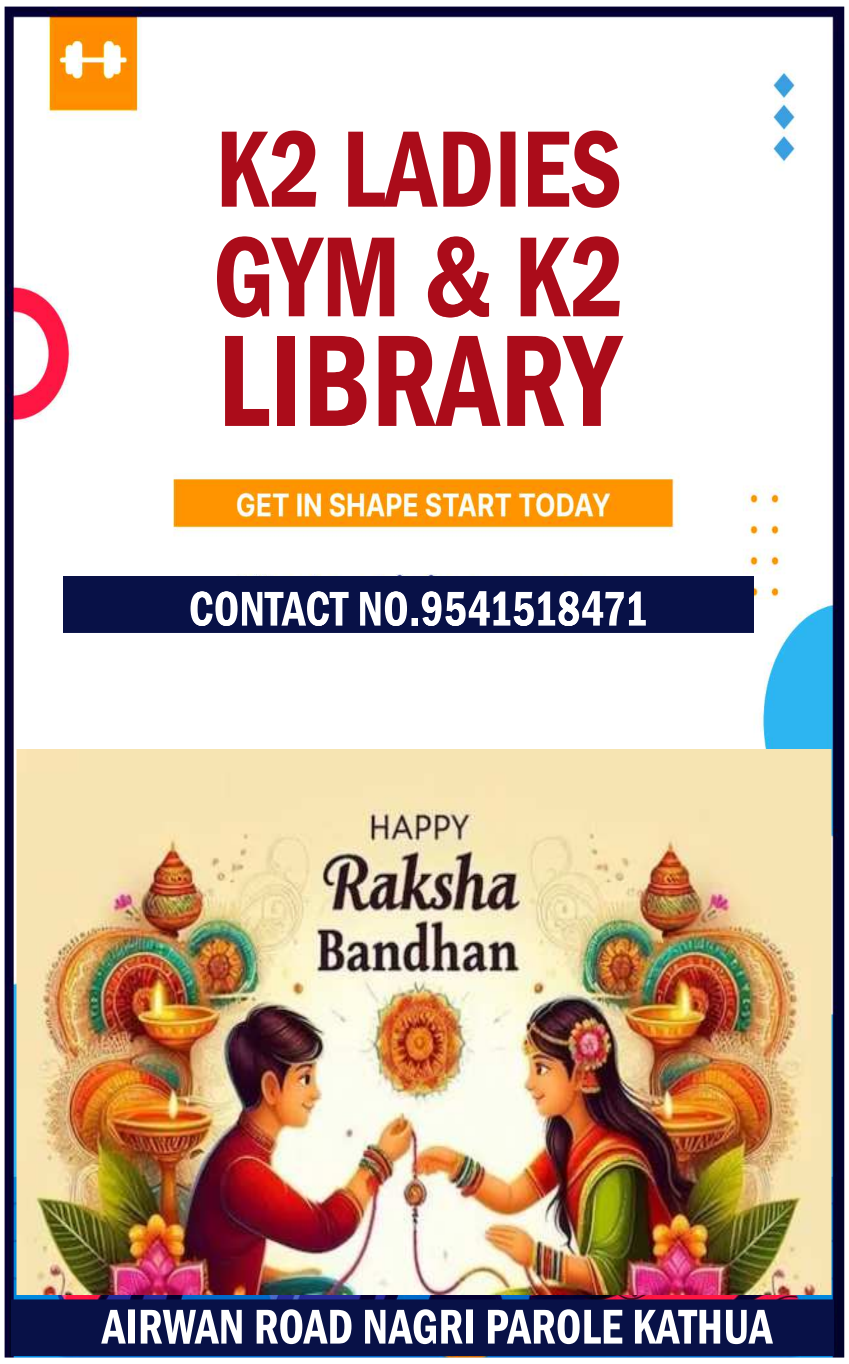

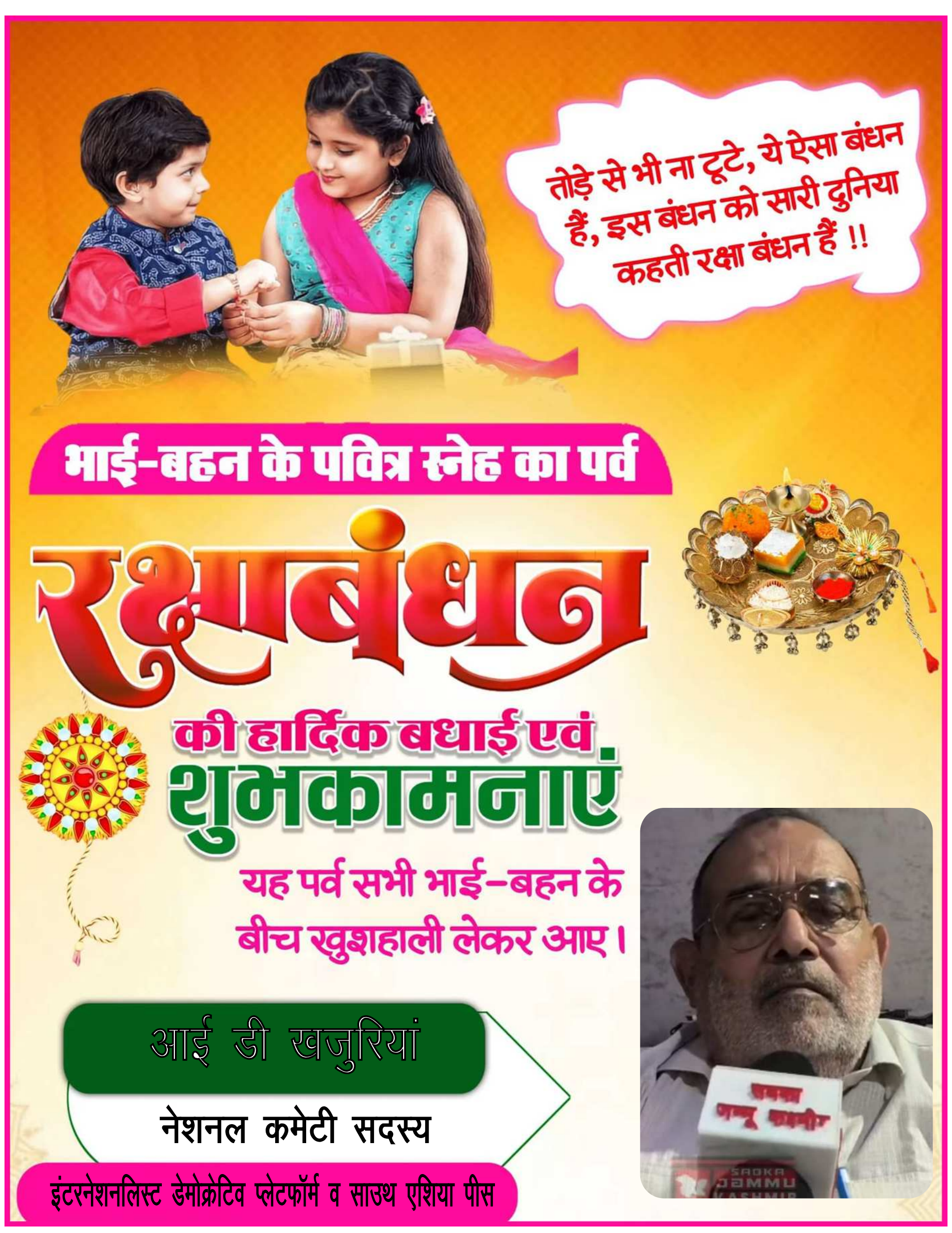


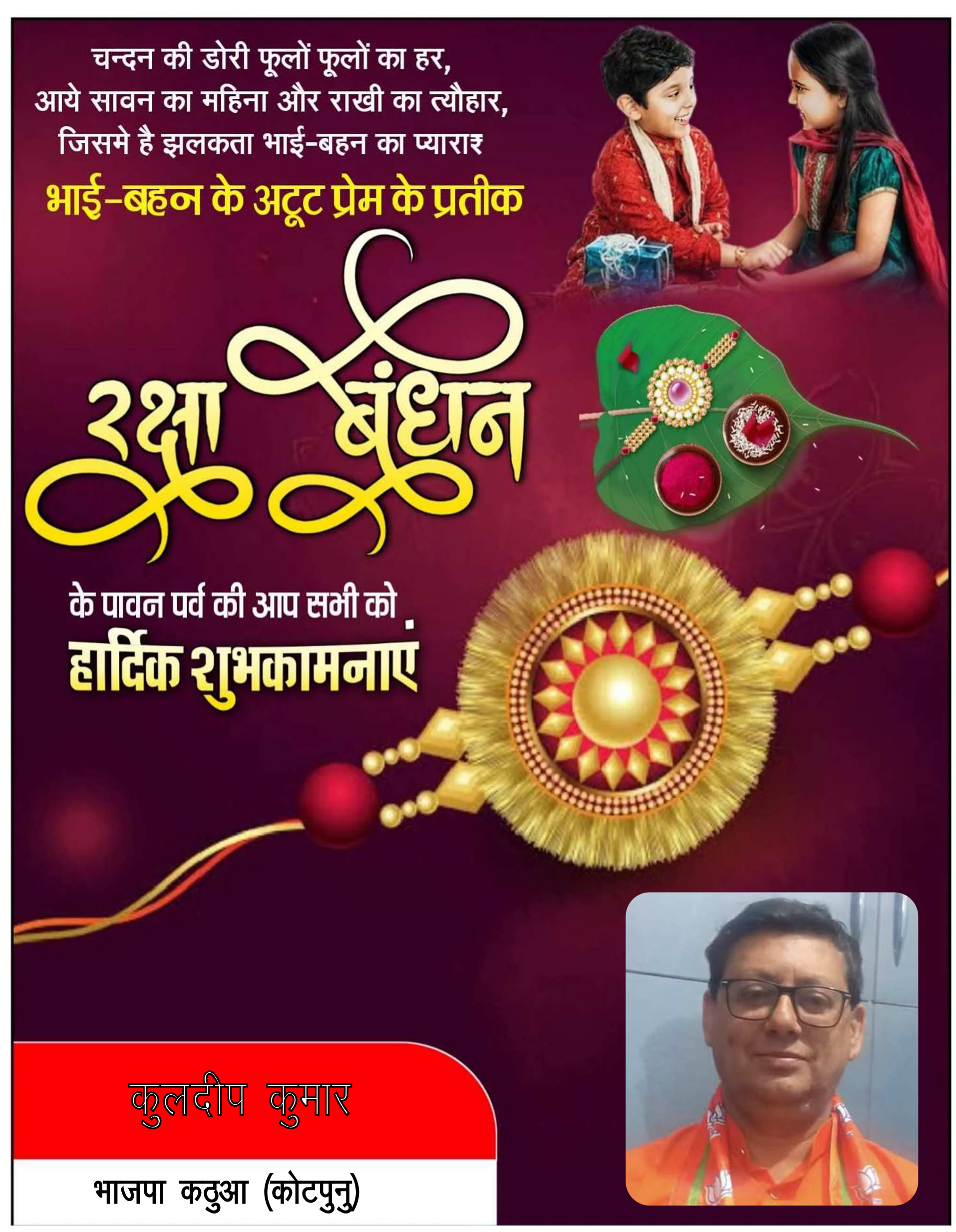


स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशकः राज कुमार द्वारा एम/एस डी. आर प्रिंटिंग प्रेस, बैन बजाल्ता, तहसील जम्मू से मुद्रित एवं नगरी पैरोल नगरी, जिला कठुआ, जम्मू और कश्मीर पिन.कोड नं: 184151 । संपादकः राज कुमार